राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,15 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–80 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर 24 अप्रैल को मप्र के रीवा पहुंचेंगे प्रधानमंत्री

भोपाल। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्य प्रदेश के संभागीय केंद्र रीवा पहुंचेंगे। शासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी यहां से देश की सर्वश्रेष्ठ पंचायतों को सम्मानित करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री बैठक में हिस्सा लेने वाले पंचों और सरपंचों को भी संबोधित करेंगे। राज्य की बीते सात महीने में यह प्रधानमंत्री की पांचवीं यात्रा होगी। इस दिन प्रधानमंत्री मोदी पीएम आवास योजना के चार लाख हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की इस एक दिवसीय यात्रा को लेकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया और पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रामखेलावन पटेल का ही कहना है कि यह हमारे लिए बहुत ही गर्व की बात है। वास्तव में यह प्रदेश के लिए गौरव और आनंद का विषय है। इस संबंध में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दे दिए हैं कि पंचायत राज दिवस पर हो रहे इस आयोजन में अधिक से अधिक पंचायत प्रतिनिधि तथा जन-प्रतिनिधि सम्मिलित हों। साथ ही जन-कल्याण और विकास के लिए क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं में प्रदेश की उपलब्धि को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन, अमृत सरोवर, जल जीवन मिशन और प्रदेश में विकसित हो रहे हेल्थ ऐंड वेलनेस सेंटर पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर रीवा के एस.ए.एफ. ग्राउंड में मुख्य कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों की बैठक और पेयजल जैसी सभी अहम व्यवस्थाएं बहुत व्यापक स्तर पर की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के चार लाख हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराएंगे। साथ ही जल जीवन मिशन के सात हजार 573 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों का भूमि-पूजन होगा।

पीएम मोदी ने असम में एम्स गुवाहाटी का किया उद्घाटन, 2017 में रखी थी आधारशिला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एम्स गुवाहाटी का उद्घाटन किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पीएम मोदी का गुवाहाटी एयरपोर्ट पर स्वागत किया।

एम्स समेत तीन मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

पीएम मोदी ने मई 2017 में एम्स गुवाहाटी की आधारशिला रखी थी। इसे 1120 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। एम्स उत्तर पूर्व के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराएगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने देश को 500 बेड वाले तीन मेडिकल कॉलेजों यानी नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज, नागांव मेडिकल कॉलेज और कोकराझार मेडिकल कॉलेज भी समर्पित किया।

'आपके द्वार आयुष्मान' का करेंगे शुभारंभ

प्रधानमंत्री असम में 'आपके द्वारा आयुष्मान' अभियान का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। वे तीन प्रतिनिधि लाभार्थियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना कार्ड वितरित करेंगे। इसके बाद राज्य के सभी जिलों में लगभग 1.1 करोड़ कार्ड वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा, पीएम मोदी असम एडवांस्ड हेल्थ केयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट की आधारशिला रखेंगे। यह प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' और मेक इन इंडिया के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है।

'असम कॉप' का करेंगे शुभारंभ

पीएम मोदी गुवाहाटी के श्री मंत शंकरदेव कला क्षेत्र में गुवाहाटी हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे असम पुलिस द्वारा डिजाइन किए गए एक मोबाइल एप्लिकेशन असम कॉप का शुभारंभ करेंगे। यह मोबाइल एप्लिकेशन अपराध और आपराधिक नेटवर्क ट्रैकिंग सिस्टम और वाहन राष्ट्रीय रजिस्टर के डेटाबेस से अभियुक्तों और वाहनों की खोज की सुविधा प्रदान करेगा।

ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाले पुल का शिलान्यास

प्रधानमंत्री ब्रह्मपुत्र नदी पर पलाशबाड़ी और सुआलकुची को जोड़ने वाले एक पुल का शिलान्यास करेंगे। यह पुल इस क्षेत्र में बहुत जरूरी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इसके अलावा, पीएम डिब्रूगढ़ के नामरूप में 500 टीपीडी क्षमता वाले मेथनॉल संयंत्र की शुरुआत भी करेंगे। जिन रेल परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, उनमें दिगारु-लुमडिग खंड, गौरीपुर-अभयपुरी खंड, न्यू बोगाईगांव- धूप धारा खंड का दोहरीकरण, रानीनगर जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी खंड का विद्युतीकरण , सेंचोआ-सिलघाट टाउन और सेंचोआ-मेराबाड़ी खंड का विद्युतीकरण शामिल है।

घर के सौंदर्यीकरण से संबंधित परियोजना का शिलान्यास

पीएम मोदी शिवसागर में रंग घर के सौंदर्यीकरण से संबंधित परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। यह परियोजना इस स्थल पर पर्यटकों से जुड़ी सुविधाओं को उन्नत बनाएगी। रंग घर के सौंदर्यीकरण की परियोजना में एक विशाल जल निकाय के चारों ओर निर्मित और अहोम राजवंश के इतिहास को प्रदर्शित करने वाला फाउंटेन-शो, नाव की साहसिक सवारी के लिए जेटी के साथ बोट हाउस, स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए कारीगर गांव, भोजन प्रेमियों के लिए विविध जातीय व्यंजन जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। शिवसागर में स्थित रंग घर अहोम संस्कृति एवं परंपराओं को चित्रित करने वाली सबसे प्रतिष्ठित संरचनाओं में से एक है। इसे 18वीं शताब्दी में अहोम राजा स्वर्गदेव प्रमत्त सिंहा ने बनवाया था।

बिहू नृत्य प्रदर्शन का बनेगा रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री मोदी एक विशाल बिहू नृत्य का भी अवलोकन करेंगे। इसका आयोजन असम के बिहू नृत्य को असमिया लोगों की सांस्कृतिक पहचान और जीवन के शुभंकर के रूप में विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में एक ही स्थान पर 10 हजार से अधिक बिहू कलाकार भाग लेंगे और दुनिया के सबसे बड़े बिहू नृत्य प्रदर्शन की श्रेणी में एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेंगे। इस कार्यक्रम में राज्य के 31 जिलों के कलाकार भाग लेंगे।

कोरोना के ऐक्टिव मामले 50 हजार के करीब, एक दिन में 11 हजार पॉजिटिव

कब आएगी कमी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के केसों ने रफ्तार पकड़ ली है। शुक्रवार को बीते 24 घंटों का जो आंकड़ा सामने आया है, उसमें कुल 11,109 नए केस पाए गए हैं। इस सप्ताह यह लगातार 5वां दिन है, जब कोरोना के केसों में तेजी देखी गई है। इससे पहले गुरुवार को 10,158 नए मामले आए थे और बुधवार को 7,830 केस मिले थे। नए 11 हजार केसों के साथ ही देश में ऐक्टिव मामले भी बढ़कर 49 हजार के पार हो गए हैं। डर है कि जल्दी ही यह आंकड़ा 50 हजार के भी पार जा सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अप्रैल महीने में कोरोना केसों में तेजी बनी रहेगी। हालांकि मई में इसमें गिरावट देखने को मिल सकती है।

राष्ट्रपति ने दी डॉ भीमराव आंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में शुक्रवार को कृतज्ञ राष्ट्र ने संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को उनकी 132 वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य समारोह संसद भवन परिसर में डॉक्टर आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष आयोजित किया गया। श्रीमती मुर्मू ने डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भी संविधान निर्माता को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संसद भवन परिसर में हजारों लोग भी डॉक्टर आंबेडकर की प्रतिमा पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे। इस अवसर पर प्रतिमा के समक्ष बौद्ध मंत्रोच्चार भी किया गया।

इससे पहले श्रीमती मुर्मू ने एक ट्वीट में कहा, ''हमारे संविधान के शिल्पकार बाबासाहब भीमराव रामजी आंबेडकर के जन्मदिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।÷ राष्ट्रपति ने डॉक्टर अंबेडकर को ज्ञान का प्रतीक और विलक्षण प्रतिभा का धनी बताया।

श्री धनखड़ ने डॉक्टर आंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह बौद्धिक संपदा के धनी, विधिवेत्ता, समाज सुधारक और सच्चे राष्ट्रवादी थे। उन्होंने विधि के शासन के लिए जीवन भर संघर्ष किया और समानता लाने के अथक प्रयास किए।

श्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''समाज के वंचित और शोषित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पूज्य बाबासाहेब को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। जय भीम।÷

देश के विभिन्न हिस्सों में भी डॉ आंबेडकर की जयंती मनाने के समाचार मिले हैं।

राजस्थान के सिरोही में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 3 की मौत; 25 घायल

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले के पालडी एम थाना क्षेत्र के अंदौर के पास एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई. हादसे में 3 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 25 लोग घायल हो गए। घायलों को सिरोही के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ घायलों को शिवगंज जिला अस्पताल में भी भर्ती करवाया गया है. मौके पर पहुंची ने घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया।

महिला और दो बच्चों की मौके पर मौत

पालडी एम थानाधिकारी प्रभुराम ने बताया कि जावाल की ओर से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार श्रद्धालु गौतम ऋषि मेले में जा रहे थे। इस दौरान अंदौर के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई. घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि हादसे में एक महिला के साथ ही दो बच्चों की मौके पर मौत हो गई। साथ ही इस हादसे में 25 लोग घायल हो गए हैं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में 28 लोग सवार थे

घटना के बाद सिरोही एसडीएम सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में घायलों के बारे में जानकारी ले रहे हैं। घायलों में दो लोगों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है. फिलहाल घायलों का उपचार जारी है। जिला अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। ट्रैक्टर में सवार लोग जालोर जिले के सियाणा के बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना पर मुख्यमंत्री के सलाहकार और विधायक संयम लोढ़ा, जिला कलक्टर डॉ भंवरलाल जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों की स्थिति की जानकारी ली और पीएमओ को उपचार को लेकर निर्देश दिए है।

वैशाली में भीम आर्मी लीडर की हत्या के बाद फिर बवाल, शवयात्रा के दौरान सड़क से थाने तक उपद्रव

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले में भीम आर्मी के नेता राकेश पासवान की गोली मारकर हत्या के बाद शुक्रवार को लालगंज में तनावपूर्ण माहौल है। परिजन राकेश पासवान का शव लेकर गांव से बसंता जहानाबाद घाट के लिए निकले। इस दौरान समर्थकों ने तिनपुलवा चौक को कुछ देर के लिए जाम कर दिया। इस दौरान समर्थकों ने जमकर तोड़फोड़ कर आतंक मचाया। राकेश पासवान की हत्या से गुस्साए लोगों ने रास्ते में पड़ने वाली कई दुकानों घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान पुलिस फोर्स भी नाकाफी नजर आई। केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के भी लालगंज पहुंचकर राकेश पासवान के परिजन से मिलने की संभावना है। मृतक पारस की रालोजपा से भी जुड़ा था। राकेश पासवान की हत्या के बाद गुरुवार शाम से इलाके में

तनावपूर्ण माहौल है। गुरुवार को भी गुस्साए समर्थकों ने आगजनी और तोड़फोड़ की थी। इसके बाद लालगंज में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई। शुक्रवार सुबह परिजन राकेश का शव लेकर तीन पुलवा चौक पर बैठ गए। इस दौरान भीम आर्मी के समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जब राकेश की शवयात्रा निकली तो बड़ी संख्या में लोग उसमें शामिल हुए। इस दौरान कुछ लोगों ने सड़कों पर ही बवाल काटना शुरू कर दिया।

लोगों का आरोप- डीएम और एसपी फोन नहीं उठा रहे-शवयात्रा में शामिल कुछ लोगों ने आम जनता की पिटाई करना शुरू कर दिया। दुकानों में तोड़फोड़ की और जो जहां मिला उसे पीट दिया। इससे इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। पुलिस शव के साथ आगे चल रही थी, पीछे समर्थक हंगामा कर रहे थे। कई चौराहों, मुहल्लों, घरों में घुसकर मारपीट किए जाने की सूचना है। बताया जा रहा है कि राकेश पासवान के समर्थकों द्वारा बवाल काटे जाने के दौरान पुलिस फोर्स भी गायब दिखी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डीएम, एसपी, डीएसपी, थानेदार जैसे अधिकारियों ने उनका फोन तक नहीं उठाया। इससे लोगों में नाराजगी है।

दिल्ली में फिर बंद होंगे स्कूल और बाजार ? कोरोना संक्रमण दर 27 प्रतिशत के पार

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने एक बार फिर तेजी से अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। कोविड के मरीजों में इस बार नए लक्षण भी दिख रहे हैं। आंखों में जलन की सबसे ज्यादा शिकायत देखी जा रही है। इसके अलावा गले में खरास, नाक बहना, भूख न लगना, उल्टी और दस्त जैसे लक्षण हैं। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि मरीज जरूर बढ़ रहे हैं, लेकिन इस बार इनमें ज्यादा गंभीर लक्षण नहीं हैं। राजधानी में कोविड के मामलों में दोगुना से अधिक की बढ़ोतरी हो रही है। एक अप्रैल से अब तक होम आइसोलेशन, अस्पताल और कोरोना के सक्रिय मरीजों में दोगुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। डॉक्टर इसके लिए कोविड-19 के एक्सबीबी1.16 वैरिएंट को जिम्मेदार बता रहे हैं।

दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि अभी तो कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। संक्रमण बच्चों को भी चपेट में ले रहा है। हालांकि, मरीज के ठीक होने की दर अच्छी है। दिल्ली में कोविड का पीक आना बाकी है।

कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करें : डॉ. सुरेश ने कहा कि कोविड से बचाव के लिए लोग दिशा-निर्देशों का पालन करें। कोविड उपयुक्त व्यवहार को अपनाएं। चेहरे पर मास्क लगाकर रखें। हाथों को समय-समय पर धोते रहें। कोविड-19 के एक्सबीबी1.16 वैरिएंट की वजह से मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

वैक्सीन की स्वीकृति को लेकर स्कूलों में होगा अध्ययन : दिल्ली के स्कूलों में 6 से 12 वर्ष के बच्चों के माता-पिता के बीच कोविड-19 वैक्सीन स्वीकृति एक मिश्रित पद्धति का अध्ययन के संबंध में शिक्षा निदेशालय ने अनुमति दी है। इस संबंध में निदेशालय की ओर से सर्कुलर जारी किया है। दिल्ली के दक्षिण और पूर्वी जिला के सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में यह अध्ययन किया जाएगा। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान सांख्यिकी संस्थान द्वारा यह अध्ययन किया जाएगा।

18 दिन का बच्चा भी संक्रमित

डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि बताया कि अस्पताल में कोविड के 20 मरीज भर्ती हैं। इनकी उम्र 35-64 वर्ष के बीच है। इसमें तीन मरीज वेंटिलेटर पर हैं। बाकी सब ऑक्सीजन पर हैं। चार बच्चे भी अस्पताल में भर्ती हैं। 18 दिन का नवजात भी शामिल है, जिसकी हालत स्थिर है। नवजात को मां से कोविड हुआ था।

एम्स ने जारी किए दिशा-निर्देश

वहीं, एम्स ने कोविड से बचाव को लेकर अस्पताल कर्मियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कार्यस्थल पर मास्क लगाकर रखना, परिसर की नियमित साफ-सफाई और सैनिटाइज करना, सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रखें, साबुन और सैनिटाइजर से नियमित तौर पर हाथ-धोते रहें।

संक्रमण दर 27 फीसदी पार

दिल्ली में कोरोना के मामले में तेजी से बढ़ोतरी जारी है। दिल्ली में गुरुवार को कोविड के 1,527 नए मामले सामने आए, जबकि संक्रमण की दर 27.77 फीसदी रही और होम आइसोलेशन में मरीजों का आंकड़ा दो हजार पार है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण से दो लोगों की मौत भी हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सात महीनों में पहली बार दिल्ली में बुधवार को पहली बार एक दिन में संक्रमितों की संख्या 1,000 को पार कर गई। दिल्ली में संक्रमण की दर 23.8 प्रतिशत रही। राजधानी में बुधवार को कोविड के 1,149 नए मामले आए थे, जबकि संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत हुई थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मुठभेड़ की नौबत

राजनीति में अपराध के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए और अपराध के अंत के लिए हर मुमकिन कोशिश सरकारों को करनी ही चाहिए। इसी कड़ी में गैंगस्टर-नेता अतीक अहमद के बेटे असद अहमद की मुठभेड़ में हुई मौत को देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल की अगर प्रशंसा हुई है, तो इसका आधार यही है कि राजनीति या समाज में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से जिस तरह से असद अहमद भागा-भागा फिर रहा था, उसमें पहले से ही यह आशंका थी कि अगर मुठभेड़ हुई, तो पुलिस अंतिम विकल्प आजमाने में पीछे नहीं हटेगी। पुलिस के विशेष कार्यबल ने मुठभेड़ को झांसी में अंजाम देकर वाकई प्रदेश के अन्य अपराधियों को साफ संदेश दे दिया है कि गुंडागर्दी को सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनकाउंटर की सूचना के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था पर एक बैठक की अध्यक्षता की और पुलिस महानिदेशक, विशेष महानिदेशक (कानून व्यवस्था) और पुलिस टीम को बधाई दी है, तो कोई आश्चर्य नहीं। पिछले महीने से ये हत्याभियुक्त पुलिस के लिए चुनौती बने हुए थे, अब स्थिति बदलेगी, पुलिस इसे बड़ी सफलता मान सकती है। उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने असद अहमद के साथ मुठभेड़ की घटना को ऐतिहासिक करार दिया है और अन्य अपराधियों को भी संदेश देने का दावा किया है। अपराधियों के खिलाफ सख्ती उत्तर प्रदेश में नई नहीं है। मुख्यमंत्री की छवि अपराध विरोधी कार्रवाइयों के कारण रही है और इसका लाभ उन्हें पिछले विधानसभा चुनाव में भी मिला था। इसमें कोई शक नहीं कि पिछली कुछ सरकारों के समय अपराधियों का मनोबल ऊंचा रहा है। अपराधी धड़ल्ले से चुनाव भी जीतते रहे हैं और कहीं न कहीं, कभी न कभी उन्हें शासन-प्रशासन की उदासीनता का लाभ भी मिलता रहा है। अब अगर वाकई अपराधियों का युग खत्म हो रहा है, तो इससे अच्छी और कोई बात हो नहीं सकती। नेताओं को अब तेरा अपराधी और मेरा अपराधी के पैमाने से ऊपर उठ जाना चाहिए। अपराध को जाति, धर्म, वर्ग के आधार पर बढ़ावा देने पर शर्म आनी चाहिए। असली सफलता तो तब है, जब न शासन अपराधियों का बचाव करे और न प्रशासन कभी उनकी कारस्तानियों से आंखें मूंदे। अपराधियों को आत्म-समर्पण के लिए विवश करना सरकार की सही रणनीति है। उन्हें सुधरने का मौका देना चाहिए, पर जो अपराधी सुधरना नहीं चाहते, उनके लिए समाज में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यह हमारा दुर्भाग्य है कि अनेक ऐसे न सुधरने वाली श्रेणी के आला अपराधी भी भारत में माननीय सांसद व विधायक तक हुए हैं, क्या इसके लिए कोई एक नेता या एक पार्टी ही दोषी है? निस्संदेह, भारतीय राजनीति के इस चरित्र को बदलना चाहिए। हर मुठभेड़ की जांच की अपनी परंपरा है, इसकी भी जांच होगी। पुलिस को किसी भी तरह की संविधान विरोधी मनमानी से रोकना चाहिए। जेलों में अपराधियों को सुविधा देने की व्यवस्था का क्या अंत हो चुका है? पुलिस खुद को सुधार ले, तो एक भी अपराधी बच नहीं सकता। काश! आज बेटे की मौत पर रो रहा वह दागी पिता पहले चेत जाता, तो न बेटे के हाथ खून से रंगते और न मुठभेड़ की नौबत आती। उस दागी अभिभावक के साथ ही, शासन-प्रशासन को भी जनता के अभिभावक स्वरूप में सोचना चाहिए कि कानून से खिलवाड़ का समापन कैसे हो।

आज का राशिफल

मेष – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क – पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह – रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला – आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक – पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ – गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

पाकिस्तान में आपातकाल जैसे हालात

केएस तोमर

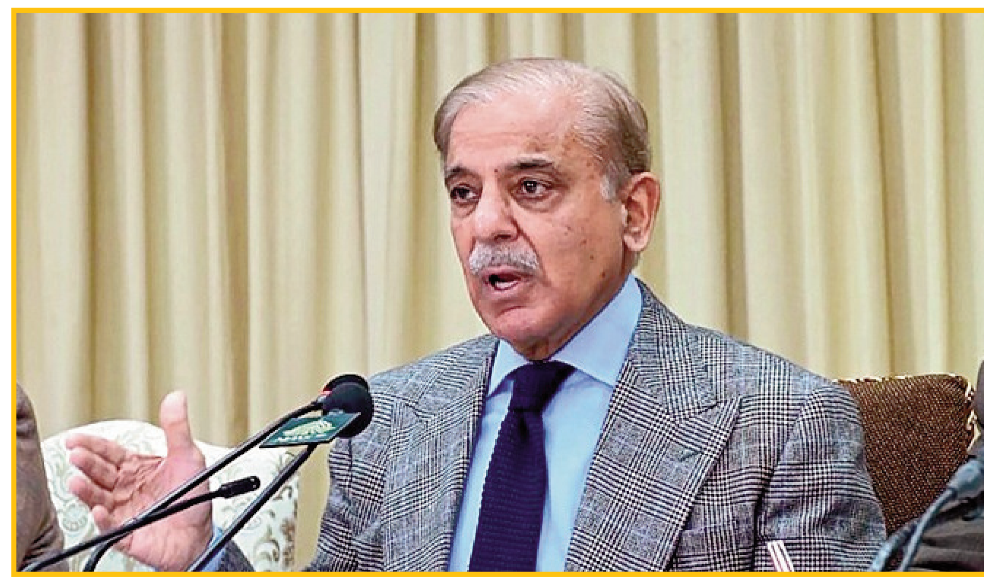

पाकिस्तान ऐसे दौर से गुज़र रहा है जहां आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। इस स्थिति में देश के प्रमुख राजनीतिक दलों और न्यायपालिका में बड़े टकराव ने,जिनमें सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) भी शामिल है, हालात और बिगाड़ दिए हैं। यदि स्थिति में सुधार न हुआ तो पूरी व्यवस्था ठप्प हो जाएगी और सेना को एक बार फिर सत्ता हथियाने का अवसर मिल जाएगा। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश में आपातकाल की घोषणा कर सकते हैं। राष्ट्रपति अली द्वारा प्रमुख न्यायाधीश के अधिकारों में कटौती के बिल को बिना हस्ताक्षर वापस करने की घटना ने पाकिस्तान में चल रहे गतिरोध को एक नयी दिशा प्रदान कर दी है। राष्ट्रपति ने बिल पर हस्ताक्षर न कर और बयान देकर विरोध जताया कि इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में अनावश्यक हस्तक्षेप होगा। पाकिस्तान के जानकारों का कहना है कि राष्ट्रपति पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी हैं। राष्ट्रपति मनोनीत होने से पहले वे उनकी तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। पाकिस्तान में एक बार फिर 1977 के हालात की पुनरावृत्ति होती नजर आ रही है। उस समय के राष्ट्रपति फारूक लेघारी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उन्हें बर्खास्त कर दिया था। उस समय सज्जाद अली शाह जिन्हें भुट्टो सरकार ने दो वरिष्ठ न्यायाधीशों को किनारे कर मुख्य न्यायाधीश बनाया था, ने ही बेनजीर भुट्टो की बर्खास्तगी को सही ठहराया था। जजों की खंडपीठ ने एकमत से फैसला दिया था कि राष्ट्रपति के आदेश में काफी सही आरोप थे। जिनसे यह सिद्ध होता है कि दिशा-निर्देशों के अनुसार सरकार नहीं चल सकती और ऐसे में नए चुनाव करा कर मतदाताओं की राय जानना जरूरी है। मौजूदा टकराव प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के बीच ही नहीं है बल्कि अधिक गम्भीर है। जिससे पाकिस्तान में पूरी प्रशासनिक व्यवस्था ठप्प होने के कगार पर है। दोनों नेता अपने-अपने कारणों से न्यायपालिका पर निशाना साध रहे हैं। जिससे सेना द्वारा हस्तक्षेप की सम्भावनाएं बढ़ गयी हैं। इमरान खान के इस बयान को हल्के से नहीं लिया जा सकता कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ऐसे हालात बना रहे हैं ताकि न्यायपालिका और सेना में टकराव हो। इमरान खान चुनाव कराए जाने का दबाव बना रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री शरीफ चुनाव टालना चाहते हैं। उन्हें पता है कि इस समय जनता उनके पक्ष में नहीं है और पाकिस्तान भी श्रीलंका की तरह आर्थिक दिवालियापन की राह पर है। एक नये घटनाक्रम में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने न्यायपालिका के साथ अब तक का सबसे बड़ा टकराव मोल ले लिया जब उन्होंने राष्ट्रीय असेंबली में मुख्य न्यायाधीश की शक्तियां कम करने का बिल पास करवा लिया। प्रधानमंत्री ने एक बयान में कहा कि इतिहास हमें माफ नहीं करेगा यदि मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों पर अंकुश न लगाया गया क्योंकि वह इन शक्तियों का उचित प्रयोग नहीं कर रहे। इस बिल में यह प्रावधान रखा गया था कि मुख्य न्यायाधीश स्वयं किसी भी मामले का संज्ञान लेकर और पीठ का गठन कर महत्वपूर्ण मामलों में कार्रवाई आरम्भ नहीं कर सकते। उधर, लंदन में रह रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने उच्चतम न्यायालय पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया है कि 2017 के बाद देश में बिगड़ते हालात के लिए उच्चतम न्यायालय ही जिम्मेदार है। उन्होंने याद दिलाया कि 1997 में इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने धमकियां देकर मुख्य न्यायाधीश सज्जाद अली शाह को चुप करा दिया था। यद्यपि पाकिस्तान में बिगड़ते हालात के बावजूद सेनाध्यक्ष जनरल आसिफ़ मुनीर ने अपने हस्तक्षेप का कोई इशारा नहीं दिया है लेकिन वह स्थायी तौर पर चुप बैठे रहेंगे, सम्भव नहीं है। पाकिस्तान में हालात बिगाड़ने पर सेना द्वारा तख्ता पलट के कई उदाहरण हैं। पहले सत्ता सम्भालने वाले सेनाध्यक्षों से विपरीत जनरल आसिफ़ मुनीर यह संदेश देने का झूठा प्रयास कर रहे हैं कि मौजूदा राजनीतिक उठा-पटक में वह किसी के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन यह संदेश तो जाता है कि सेना इमरान खान सरकार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के पक्ष में नहीं है, जिसका लाभ शहबाज शरीफ सरकार को मिल सकता है। इमरान खान पूर्व सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा का खुल कर विरोध कर चुके हैं, जो 2022 में सेवानिवृत्त हुए थे। एक अन्य घटनाक्रम का घाटा इमरान खान को पहुंचेगा, जिसमें सेनाध्यक्ष ने चुनाव आयोग को स्पष्ट कर दिया है कि सेना पंजाब प्रांत में चुनावों की निगरानी नहीं कर पाएगी क्योंकि इस क्षेत्र में कई उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं और वे सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं, साथ ही अफगानिस्तान के साथ लगते खैबर पख्तून्वा इलाके में हालात खराब हैं। इसका सीधा लाभ शरीफ सरकार को मिल रहा है जो चुनाव नहीं कराने के पक्ष में हैं। वहीं चीनपाकिस्तान के राजनीतिक हालात पर पैनी नजर रख रहा है। वजह है इस क्षेत्र में अमेरिका के प्रभाव को कम करने के लिए चीन को पाकिस्तान की जरूरत है। अमेरिका क्वाड आदि नये संगठन बनाकर एशिया क्षेत्र में चीन का दबाव कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। हाल ही में पाकिस्तान को दिवालियापन से बचाने के लिए चीन ने 70 करोड़ डॉलर का ऋण दिया है और मदद की उम्मीद की जा रही है। चीन अपने 5000 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी सड़क योजना की सफ़लता के लि ए भी पाकिस्तान पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान में बिगड़ते राजनीतिक हालात का भारत पर बड़ा असर पड़ेगा क्योंकि अनिश्चितता के कारण कई आतंकी गुट सक्रिय होंगे जो भारत को निशाना बनाने की फ़िराक़ में होंगे। इस समय भी शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना कई ऐसे आतंकी संगठनों को संरक्षण दे रही है। पाकिस्तान अपनी दयनीय आर्थिक हालत से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण लेने का प्रयास कर रहा है। अब जब सऊदी अरब ने भी 2 अरब डॉलर की सहायता का आश्वासन दिया है तो इसके मिलने की सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने दिवालिये पाकिस्तान की मदद करना स्वीकार कर लिया है लेकिन इस पर नयी कड़ी शर्तें लगा दी हैं। इसकी वजह से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कमाई करने वाली औद्योगिक इकाइयों पर गरीबी टैक्स लगाने को हामी भर दी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दिवालियेपन के हालात समूची व्यवस्था को तहस-नहस कर सकते हैं, जिससे जनाक्रोश बढ़ेगा। निस्संदेह, पाक अपनी स्थापना से लेकर अब तक के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है और उच्चतम न्यायालय और शरीफ सरकार में चल रहे टकराव ने हालात को और भी गम्भीर बना दिया है।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

डिजिटल दुनिया में दर्शकों की कमी से दम तोड़ रही सर्कस की उम्मीद

(लेखक – विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(15 अप्रैल विश्व सर्कस दिवस)

सर्कस एक जीवंत कलाकारी प्रदर्शन करने का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता हैं इसमें मनोरजन के साथ कलाकारों की एकाग्रता, अनुशासन एवं आपसी सूझभूझ का प्रदर्शन देखने मिलता हैं। इसमें थोड़ी सी चूक जीवन मरण में प्राप्त होती हैं। यह मानव जीवन में बहुत श्रेष्ठ पाठ सीखने का सुन्दर अवसर होता हैं।

मॉडर्न युग में बच्चे मोबाइल की दुनिया में गुम हो रहे है। जिससे बच्चों के आंखों में असर पड़ने के साथ-साथ दिमाग में भी असर पड़ने लगा है। ऐसे में रंगारंग कार्यक्रम की दुनिया भी ओझल होता जा रहा है। जहां सर्कस जैसे मनोरंजन अब पुराने दिनों की बात हो गई है। ऐसे में इस कला को बचाए रखना हमसब की जिम्मेदारी है, ताकि ऐसे मनोरंजन को बचाया जा सके। बता दें कि सर्कस में कलाकार को भी काफी मेहनत करना पड़ता है और एक जगह से दूसरे जगह जाकर लोगों का मनोरंजन भी करते हैं। जब मोबाइल की दुनिया नहीं थी और टेलीविजन भी प्राय घरों में नहीं था। ऐसे समय में सर्कस ही एकमात्र मनोरंजन का सहारा रहता था जिसको लेकर लोगों को इंतजार रहता था। जहां बाघ और बब्बर शेर के साथ हाथी जैसे जानवरों के सहारे सर्कस के यह कलाकार मनोरंजन करते थे, लेकिन आज सर्कस में जानवरों पर प्रतिबंध लगने से इन कलाकारों को अपनी कला के जरिए दर्शकों को बांधे रखने के लिए काफी मेहनत करना पड़ता है। कई शहरों में सर्कस में तो कई अफ्रीकन कलाकार भी मौजूद है जो अपनी कला के जरिए दो वक्त की रोटी के जुगाड़ में लगे हुए हैं। ऐसे में जरूरत है सरकार और आम लोगों को कि इस कला को बचाए रखें और कलाकारों के हौसले को टूटने ना दें। सर्कस एक ऐसा मनोरंजन है जहां बच्चे से बूढ़े तक आनंद उठा सकते हैं। सर्कस के नाम से फिल्म और सीरियल भी बना जहां कलाकारों के दर्द को दिखाया भी गया। किस तरीके से सर्कस जहां कलाकार अपनी दुख दर्द और पीड़ा को भूलकर दूसरे के मनोरंजन करने में लगे रहते हैं जोकर जो अपने दर्द को भूल कर दूसरे को हंसाने में लगे रहते हैं उस हंसी के पीछे भी उसका दर्द छुपा रहता है, लेकिन लोगों के मनोरंजन के लिए वह अपने दर्द को छिपाकर लोगों को हंसाते रहता है। ऐसे में जरूरत है इस कला को बचाए रखने की ताकि आने वाले समय में सर्कस के वजूद बचा रह सके और इसके कलाकार अपनी कला के जरिए लोगों का मनोरंजन कर सके। सर्कस की आवाज।

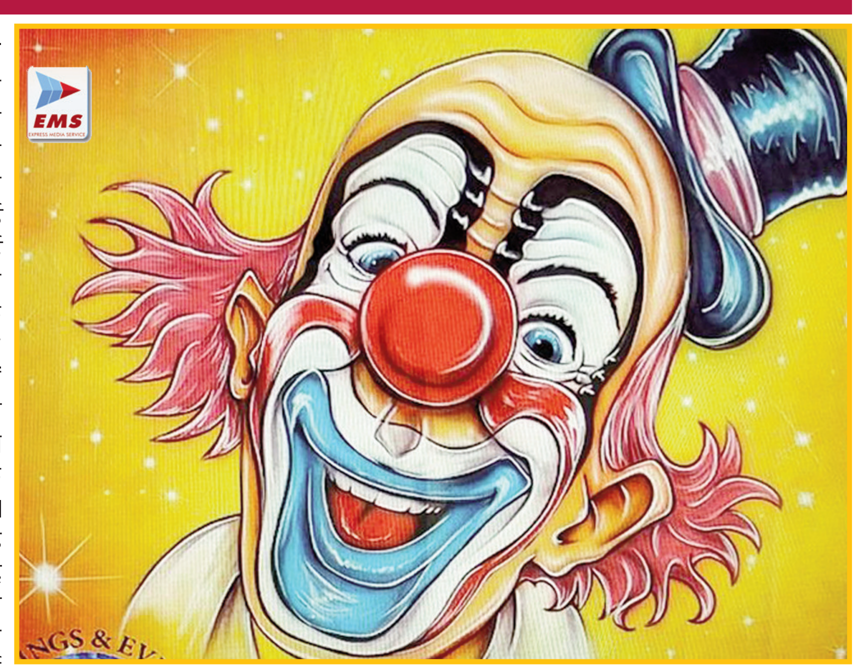

एक साथ हम के भविष्य को बचा सकते हैं सर्कस। यूरोपीय सर्कस एसोसिएशन (ईसीए) सर्कस कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था करने के लिए, जिससे हमारे साझा सांस्कृतिक विरासत के इस महत्वपूर्ण हिस्सा की रक्षा। ईसीए का मानना है कि सर्कस सार्वभौमिक है और कला के एक कभी बदलते रूप है जो अभिव्यक्ति की एक व्यापक विविधता प्रदान करता है। हम सर्कस लाइव मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय रूपों में से एक का मानना है कि। यूरोपीय सर्कस एसोसिएशन द्वारा शुरू की, यूरोपीय संसद में एक प्रस्ताव पारित 2005 यूरोप की संस्कृति का एक भाग के रूप में सर्कस पहचानने। तीसरे शनिवार प्रत्येक अप्रैल को मनाया, विश्व सर्कस दिवस कला और संस्कृति मनाने का विशेष दिवस यह साल,यूक्रेन में चल रहे युद्ध को देखते हुए,हम दुनिया के सर्कस दिवस का उपयोग करने के लिए सभी सर्कस पर कॉल करते हैं,यूक्रेन में सर्कस और सर्कस स्कूलों को समर्पित धन उगाहने वाली घटनाओं के लिए,ईसीए यूक्रेन में भरोसेमंद भागीदारों को दान स्थानांतरित करने का ख्याल रखेगा।

विचार मंथन

गलत एवं सही तथ्यों की जांच कौन करेगा?

(लेखक – सनत जैन)

भारत में इस समय 50 करोड़ से ज्यादा व्हाट्सएप यूजर है। 30 करोड़ से ज्यादा फेसबुक के यूजर्स हैं। यूट्यूब के भी करोड़ों यूजर्स है। गूगल सर्च इंजन के करोणों यूजर्स हैं। सभी इंटरनेशनल कंपनियां हैं। यहां पर इनके खुद के टूल हैं। इन्होंने अपना फैक्ट चेकिंग नेटवर्क बनाया हुआ है। कॉपीराइट से संबंधित मामलों को भी चेक करने की व्यवस्था है। इंटरनेशनल फैक्ट चेकिंग नेटवर्क को भारत की 11 संस्थाओं द्वारा मान्यता दी गई है। कई मीडिया के संस्थानों ने भी फैक्ट चेकिंग के प्लेटफार्म बनाए हुए हैं। सब अपने-अपने तरीके से फैक्ट चेकिंग कर अपनी अपनी राय देते हैं। फैक्ट चेकिंग भारत में बहुत बड़ा कारोबार बन गया है। जो संस्था फेक्ट चेक करती है। वह भुगतान भी लेती है। इतनी बड़ी संख्या में सोशल मीडिया पर रोजाना करोड़ों की संख्या में सूचनाएं और विभिन्न जानकारियां पोस्ट की जाती हैं। वर्तमान पीढ़ी लगभग 2 घंटे रोजाना मोबाइल फोन से विभिन्न सोशल मीडिया के प्लेटफार्म के कंटेंट को एक्सेस करती है। मोबाइल नेटवर्क पर यूजर्स कौन से कंटेंट को खोज रहे हैं। उस को आधार बनाकर एक बड़ा मार्केट भी यूज़र तक पहुंचने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियां उपयोग करती हैं। राष्ट्रीय राजनीतिक दल सोशल मी डिया का उपयोग कर अपने हिसाब से अपनी बातें पहुंचाते हैं। जो कंटेंट जितना सनसनीखेज होगा। उसका व्यूज़ भी उतने ही ज्यादा मिलते हैं। उतनी ही कमाई लोगों को होती है। भारत से दुनिया के किसी भी देश में फेक्ट चेकिंग की गुणवत्ता या कोई मापदंड है। सोशल मीडिया की कंपनियां अपनी निष्पक्षता को बनाये रख पाने में असफल साबित हो रही हैं। इंटरनेट पर जिस तरह से लोग अपनी बात कह पा रहे थे। पिछले एक दशक में सरकारों ने इस फीडम को नियम कानून बनाकर बाधित करना शुरू कर दिया है। फेसबुक ने अपनी नीति बना रखी है। वह राजनेताओं से नहीं उलझती है। कुछ इसी तरीके की स्थिति ट्यूटर की भी देखने को मिने लगी है। यूट्यूब भी इसी दौर से गुजर रहा है। फेसबुक के मार्क जकरबर्ग स्पष्ट रूप से कहते हैं कि वह राजनेताओं के फैक्ट चेक नहीं करेंगे। हाल ही में ट्विटर ने भी यह कह दिया है कि भारत में सरकार ने जिस तरह के नियम और कानून बना रखे हैं, उसमें हमें सरकार की बात मानने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। सरकार जिसे कहती है हटा दो, हम हटा देते हैं। व्हाट्सएप को लेकर तो एक नई बात सामने आ रही है। जो कानून भारत सरकार ने बनाए हैं, उसके बाद सारे एक्सेस भारत सरकार को देने की बाध्यता हो गई है। इसके बाद वाट्सऐप के सारे यूजर्स सरकारी नियंत्रण के दायरे में आ गये हैं। नाग रिकों की स्वतंत्रता पर सरकार ने पहरा लगा दिया है। सोशल मीडिया का जो नया कानून भारत सरकार लेकर आ रही है, उसके अनुसार इंटरनेट पर चलने वाली सभी वेबसाइट सरकार के फैक्ट चेक के दायरे में हैं। जो सूचनाएं गलत पाई जाएंगी या जो सरकार नहीं चाहेगी, उसे तुरंत हटाने की जिम्मेदारी वेबसाइट की होगी। अन्यथा वेबसाइट के ऊपर आपरा धिक कार्यवाही भी हो सकती है। इंटरनेट के विभिन्न पोर्टल और सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर रोजाना अरबों की संख्या में समाचार सूचनाएं और विचार पोस्ट किए जाते हैं। वह सही है या गलत है, इसकी जांच करने का कोई भी मानदंड नहीं है। यूजर्स किसी कंटेंट पर विश्वास नहीं कर पा रहा है। जो कंटेंट पढ़ रहे हैं या देख रहे हैं, वह सही है या गलत है। ऐसे कंटेन का फैक्ट चेक करना मुश्किल है। ऐसी स्थिति में यूजर्स के पास कोई अधिकार नहीं है। उसे लगता है कि कोई साइट उसे गलत कंटेंट दे रही है, उसे वह रोक सके। सोशल मीडिया पर बेबुनियाद अफवाहें फैलाकर यूजर्स का अपने पक्ष और अपने हितों को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। फेक न्यूज़ प्रमाणित हो जाने पर उसे दंडित करने पर भी कार्रवाई होनी चाहिए, इसके लिए एक अलग न्यायिक तंत्र तैयार करना पड़ेगा। भारत में जिस तरह से इंटरनेशनल सोशल मीडिया के प्लेटफार्म काम कर रहे हैं। मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी का जितना दुरुपयोग और जितना दोहन भारत में हो रहा है। वह विश्व के अन्य देशों में नहीं हो रहा है। इसमें भारत सरकार की लापरवाही सबसे ज्यादा है। मोबाइल फोन एंड्राइड से चल रहे हैं। घर में टेलीविजन सेट भी एंड्रॉयड से चल रहे हैं। एंड्राइड तकनीकी सोशल मीडिया के प्लेटफार्म गूगल, यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर इत्यादि यूजर्स चाहें या ना चाहें, उसे मोबाइल फोन पर आवश्यक रूप से भेजे जा रहे हैं। भारत के यूजर्स से अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भारी कमाई कर रही हैं। इंटरनेट पर आधारित सूचनाओं पर जिस तरह से अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने अपना एकाधिकार भारत में गनाया है, इसने भारत की एक बहुत बड़ी आबादी को मोबाइल एडिक्शन का शिकार बनाकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

सोने और चांदी में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी में जबरदस्त उछाल आया है। इस सप्ताह सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल आया है। सोने के वायदा भाव बढ़त के साथ ही नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव भी 77 हजार रूपये के ऊपर निकल गये हैं और जल्द ही शीर्ष स्तर पर पहुंच जाएंगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना आज 60,731 रुपये के भाव पर खुला, जबकि पिछली बंद होने की कीमतें 60,628 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। सोने का यह वायदा भाव अब तक सर्वोच्च स्तर भी है। सोने के साथ चांदी के भाव में भी तेजी रही है। एमसीएक्स पर शुक्रवार को चांदी का मई अनुबंध पिछले बंद भाव से 121 रुपये की तेजी के साथ 76,034 रुपये के भाव पर खुला। इसने आज दिन का 77,097 रूपये किलो का उच्च स्तर हासिल किया। बाजार जानकारों के अनुसार चांदी की सबसे अधिक कीमत 77,949 रुपये किलो है।

आंबेडकर जयंती पर14 अप्रेल को शेयर बाजार बंद

मुंबई । आंबेडकर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में शुक्रवार 14 अप्रैल को छुट्टी रहेगी। इस मौके पर शेयर बाजार में कोई कारोबार नहीं होगा। कल शनिवार और परसों रविवार है ऐसे में अब शेयर बाजार में सोमवार से ही कारोबार शुरू होगा। इस महीने की 21 तारीख को ईद उल फितर के मौके पर भी बाजार बंद रहेगा। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को उतार-चढ़ाव का दौर दिखा। इस दौरान सेंसेक्स 38.23 अंकों की बढ़त के साथ 60,431.00 अंकों पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 15.60 अंकों की बढ़त के साथ 17,828.00 अंकों के पर बंद हुआ।

कच्चा तेल नरम, पेट्रोल और डीजल बिहार में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड का भाव 1 डॉलर गिरकर 86.42 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को तीन दिन बाद नरमी दिख रही है। आज ब्रेंट क्रूड करीब 1 डॉलर गिरकर 96 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है। इसका असर सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा। शुक्रवार को यूपी से बिहार तक कई शहरों में तेल के खुदरा दाम नीचे आ गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 50 पैसे सस्ता होकर 107.24 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 47 पैसे गिरकर 94.04 रुपए लीटर बिक रहा. इसी तरह, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 15 पैसे गिरकर 96.77 रुपए लीटर, जबकि डीजल 14 पैसे सस्ता होकर 89.94 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में तीन दिन बाद गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 1 डॉलर गिरकर 86.42 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी ग्े लोबल मार्केट में गिरावट के साथ 82.51 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया । नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली जुझारू, स्थिर और दुरूस्त : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारतीय वित्तीय प्रणाली अमेरिका और स्विट्जरलैंड में हाल के घटनाक्रमों से पूरी तरह अछूती है। उन्होंने कहा कि देश की बैंकिंग प्रणाली जुझारू,स्थिर और दुरूस्त है। दास ने कहा कि वैश्विक स्तर पर, अमेरिका तथा स्विट्जरलैंड की बैंकिंग प्रणाली में हाल में जो घटनाक्रम हुए उनसे एक बार फिर वित्तीय स्थिरता और बैंकिग क्षेत्र की स्थिरता का महत्व सामने आया है।

आरबीआई गवर्नर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना बैठकों में शामिल होने आए हैं। सिलिकॉन वैली बैंक के विफल होने के बारे में सवाल के जवाब में दास ने कहा, जहां तक भारत की बात है, तबअ भारतीय बैंकिंग प्रणाली, भारत की वित्तीय प्रणाली, ये अमेरिका या स्विट्जरलैंड में हुए किसी भी घटनाक्रम से पूरी तरह से अछूते हैं। हमारी बैंकिंग प्रणाली जुझारू, स्थिर और दुरूस्त है।''उन्होंने कहा कि बैंकिंग से संबंधित मानकों की बात करें, चाहे वह पूंजी पूर्याप्तता हो, दबावग्रस्त संपत्तियों का प्रतिशत हो, बैंकों का शुद्ध ब्याज मार्जिन हो, बैंकों की लाभप्रदता हो, चाहे जिस भी मानक को देखा जाए, सभी के लिहाज से भारत की बैंकिंग प्रणाली स्वस्थ बनी हुई है।'

अमेरिका में थोक मुद्रास्फीति मार्च में कम होकर 2.7 प्रतिशत रही

वाशिंगटन । अमेरिका में पिछले महीने थोक मुद्रास्फीति में तेजी से गिरावट आई है। सालाना आधार पर थोक मुद्रास्फीति में मार्च में 2.7 प्रतिशत रही, जो इससे पहले फरवरी में 4.7 प्रतिशत बढ़ी थी। ईंधन कीमतों में कमी के चलते यह गिरावट हुई। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के मौद्रिक सख्ती करने के करीब एक साल बाद मुद्रास्फीति का दबाव कम होता दिखाई दे रहा है। श्रम विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले उत्पादक मूल्य सूचकांक से विनिर्माताओं, किसानों और थोक विक्रेताओं के लिए कीमतों में हुए बदलाव का पता चलता है। इससे भविष्य में उपभोक्ता महंगाई की दिशा का अंदाज भी लगाया जा सकता है।

भारत कारोबारी माहौल रैंकिंग में छह पायदान ऊपर पहुंचा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। इकनॉमिक इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) की ओर से जारी की गई वैश्विक कारोबारी माहौल रैंकिंग (बीईआर) के मुताबिक 2022 की दूसरी तिमाही से 2023 की दूसरी तिमाही के बीच भारत 6 पायदान ऊपर गया है। तकनीकी तैयारी, राजनीतिक माहौल और विदेशी निवेश सहित अन्य मानकों के स्कोर में सुधार की वजह से रैंकिंग में सुधरी है। बीईआर में 91 संकेतकों के आधार पर 82 देशों में कारोबारी माहौल को लेकर आकर्षण का मापन किया जाता है। 2023 की दूसरी तिमाही लिए रैंकिंग से पता चलता है कि सिंगापुर, कनाडा और डेनमार्क अगले 5 साल में सबसे बेहतर कारोबारी माहौल देने वाले 3 देश होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विनिर्माण में निवेश के मामले में ऐतिहासिक रूप से संघर्ष कर रहा है, वहीं नीतिगत सुधार की वजह से भारत में कारोबार करना आसान हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि मजबूत, स्थिर अर्थव्यवस्था और व्यापक रूप से श्रमिकों की आपूर्ति की वजह निवेशकों को आकर्षित करने का आधार है। नीतिगत सुधार से भारत में व्यापार करना आसान हुआ है। हम उम्मीद करते हैं कि बुनियादी ढांचा, कराधान और कारोबार के नियमन में सुधार की वजह से निवेश को बढ़ावा मिलेगा।'एशियाई क्षेत्र की 17 अर्थव्यवस्थाओं में से, भारत 2023-27 की पूर्वानुमान अवधि में 10वें स्थान पर है, जबकि 2018-22 की अवधि में यह 14वें स्थान पर था।

देश में लोग खूब खरीद रहे कार, यात्री वाहनों की बिक्री में 26.7 प्रतिशत की वृद्धि

ग्राहकों की पहली पंसद बनी एसयूवी

नई दिल्ली ।

हाल ही में सियाम ने आंकड़े जारी कर बताया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में यात्री वाहनों की बिक्री में 26.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारतीय कार बाजार ने बढ़त बनाई है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा जारी नए आंकड़ों के मुताबिक, साल के लिए थोक यात्री वाहन की मात्रा बढ़कर 3.9 मिलियन यूनिट हो गई, जो एक साल पहले 3.1 मिलियन थी। देश में लगातार कारों के नए मॉडल पेश हो रहे हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में कोविड के चलते मैन्युफैक्चरर्स को अपने उत्पाद लांच करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। जैसे ही कोरोना से राहत मिली कंपनियों ने कई नए मॉडलों को पेश किया है। इसके चलते भी देश में यात्री वाहनों की बिक्री में रिकार्ड बढ़ोतरी देखी गई है। देश की कार निर्माता कंपनियां एसयूवी पर ज्यादा जोर दे रही हैं। आज कल सबसे ज्यादा इन्ही कारों को भारतीय ग्राहकों द्वारा किया जा रहा है। देश में टाटा मोटर्स, हुंडई, महिंद्रा जैसी कंपनियां अपने एसयूवी लाइनअप को मजबूत बना रही हैं। देश की सबसे बड़ी वहन निर्माता कंपनी मारुति भी अब एसयूवी कार बनाने पर जोर दे रही है। हाल ही में हुए 2023 ऑटो एक्सपो में कंपनी ने अपनी दो एसयूवी को पेश किया था। इसमें मारुति फ्रोंक्स और जिम्मी शामिल है। कारोना के दौरान दुनियाभर में सेमीकंडक्टर की आपूर्ति में भी काफी दिक्कतें देखी गईं। मौजूदा समय में ये समस्या काफी हद तक ठीक है। उस समय लोग सेमीकंडक्टर की कमी के चलते अपने मन चाहे कार मॉडल के उत्पादन न होने की वजह इस उस नहीं खरीद पाए थे। मौजूदा समय में सेमीकंडक्टर की आपूर्ति होने के बाद कारों के वेटिंग पीरियड में कमी आई है।

68.17 करोड़ की लाभांश आय कमाएगी ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक की पत्नी

मुंबई ।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस में अपनी हिस्सेदारी से 68.17 करोड़ रुपये की लाभांश आय अर्जित करेंगी।

इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी मूर्ति के पास दिसंबर के अंत में इंफोसिस के 3.89 करोड़ शेयर थे।स्टॉक एक्सचेंजों के साथ कंपनी फाइलिंग में पता चला है कि इंफोसिस ने वित्तीय साल 23 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023) के लिए 17.50 रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश घोषित किया। अगर वह रिकॉर्ड तिथि 2 जून तक अपनी हिस्सेदारी बरकरार रखती हैं, तब उन्हें 68.17 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले वित्त वर्ष के लिए इंफोसिस ने कुल 31 रुपये प्रति शेयर लाभांश का भुगतान किया, जिससे अक्षता को कुल 120.76 करोड़ रुपये मिले।

बीएसई पर गुरुवार के बंद भाव 1,388.60 रुपये प्रति शेयर पर उनकी होल्डिंग की कीमत 5,400 करोड़ रुपये से कुछ ज्यादा है। इंफोसिस भारत में सबसे अधिक लाभांश देने वाली कंपनियों में से एक है।

भारत की बेटी हैं अक्षता मूर्ति

कर्नाटक के हुबली में जन्मी अक्षता ने कैलिफोर्निया में क्लेरमॉन्ट मैककेना कॉलेज जाने से पहले अपनी स्कूली शिक्षा बेंगलुरु में पूरी की। उन्होंने अर्थशास्त्र और फ्रेंच में दोहरी डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने लॉस एंजिल्स में फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मर्चेंडाइजिंग से फैशन डिजाइनिंग डिप्लोमा किया। उन्होंने डेलोइट और यूनिलीवर में छोटे पदों पर काम किया। इसके बाद वह स्टैनफोर्ड में एमबीए करने चली गईं, जहां उनकी मुलाकात ऋषि सुनक से हुई। दोनों ने 2009 में शादी की। इस दंपत्ति के पास विशाल रियल एस्टेट पोर्टफोलियो है। उनके दो बच्चे हैं, कृष्णा और अनुष्का।फार्मासिस्ट मां और डॉक्टर पिता के बेटे सुनक ने इंग्लैंड के सबसे प्रसिद्ध स्कूलों में से एक विनचेस्टर और फिर ऑक्सफोर्ड में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने गोल्डमैन सैक्स ग्रुप इंक में तीन साल बिताए और बाद में कैलिफोर्निया में स्टैनफोर्ड से एमबीए किया, जहां उनकी मुलाकात उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति से हुई।

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली । वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसयू) और वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक की और उनसे जन सुरक्षा और मुद्रा योजना जैसी विभिन्न वित्तीय समावेश योजनाओं को बढ़ावा देने की आग्रह किया। दिनभर चली समीक्षा बैठक में पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जोशी ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से समयबद्ध तरीके से वित्तीय समावेश के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत आवंटित लक्ष्यों को प्राप्त करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) का लक्ष्य पूरा करने के लिए मंत्रालय ने तीन महीने का अभियान भी शुरू किया है। बयान के अनुसार बैंकों को सलाह दी गई है कि वे संभावित लाभार्थियों तक पहुंच बनाने और उन्हें जोड़ने के लिए अपने बैंकिंग प्रतिनिधि नेटवर्क का लाभ उठाएं। वित्तीय सेवा सचिव ने बैंकों से क्षेत्रीय या स्थानीय भाषाओं में इन योजनाओं के बारे में जागरूकता अभियान चलाने का भी अनुरोध किया।

(तेल-तिलहन बाजार समीक्षा) विदेशों में कमजोरी के बीच तेल तिलहन कारोबार में गिरावट रही

- मूंगली तेल तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में गिरावट के रुख के बीच दिल्ली बाजार में गुरुवार को तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखने को मिली। सरसों, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रही जबकि मूंगफली तेल तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। मलेशिया एक्सचेंज में 1.5 प्रतिशत की गिरावट थी जबकि शिकागो एक्सचेंज दो प्रतिशत टूटा था और फिलहाल यहां आधा प्रतिशत की गिरावट है। बाजार सूत्रों ने कहा कि पूरे देश में मंडियों में लगभग 12.50 लाख बोरी सरसों की आवक हुई है जबकि राजधानी में तेल तिलहन की दो मंडियां हैं- नजफगढ़ और नरेला। नरेला में 20 वर्षो के बाद सरसों की लगभग 500-600 बोरी की आवक हुई जबकि नजफगढ़ में 2,500 सरसों बोरी की आवक हुई।इन मंडियों में आढ़तियों ने 5,450 रुपए प्रति क्विन्टल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुकाबले सरसों की खरीद 4,800-4,900 रुपए क्विन्टल के भाव से की। गुरुवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,215-5,310 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,790-6,850 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,660 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,535-2,800 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 10,100 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,615-1,685 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 1,615-1,735 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,900 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,800 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,150 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,650 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,400 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,150 रुपये प्रति क्विंटल,पामोलिन एक्स कांडला- 9,300 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना ,375-5,425 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,125-5,225 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

जीएसटी के नियम 1 मई से बदल जाएंगे

- सात दिन के भीतर अपलोड करना होगा इनवॉयस

नई दिल्ली ।

गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) के नियमों में बदलाव होने जा रहा है। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ट्रांजेक्शन को लेकर नियमों में बदलाव किया है. नया नियम 1 मई, 2023 से लागू होगा और कारोबारियों के लिए इसका पालन करना जरूरी होगा। जीएसटीएन ने कहा है कि 1 मई से किसी भी ट्रांजेक्े शन की रसीद इनवॉयस रजिस्ट्रेशन पोर्टल (आईआरपी) पर 7 दिनों के भीतर अपलोड करना जरूरी होगा। जीएसटी कंप्लायंस का समय पर पालन कराने के लिए नियमों में बदलाव किया गया है। जीएसटीएन के अनुसार 100 करोड़ से ज्यादा टर्नओवर वाले सभी कारोबारियों के लिए 1 मई से इस नियम का पालन करना जरूरी होगा। नए नियम के तहत 100 करोड़ से ज्यादा टर्नओवर वाले कारोबार 7 दिन से ज्यादा पुरानी इनवॉयस को अपलोड नहीं कर पाएंगे। यानी कि 7 दिन से ज्यादा पुराने ट्रांजेक्शन की रसीद जीएसटीएन पर अपलोड नहीं हो पाएगी और इस पर रिटर्न भी क्लेम नहीं किया जा सकेगा. हालांकि, यह नियम सिर्फ इनवॉयस को लेकर है। कारोबारी डेबिट और क्रेडिट नोट्स को 7 दिन बाद भी अपलोड कर सकेंगे।

जीएसटी नियम कहता है कि अगर कोई इनवॉयस आईआरपी पर अपलोड नहीं होता है तो उस पर कारोबारी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का फायदा नहीं उठा पाएंगे। आईआरटीसी किसी उत्पाद के कच्चे माल और फाइनल प्रोडक्ट के बीच के अंतर को वापस पाने के लिए क्लेम किया जाता है। मौजदा समय में कंपनियां कभी भी अपना ई-इनवॉयस अपलोड कर सकती हैं, लेकिन नया नियम लागू होने के बाद उनके पास सिर्फ 7 दिन का समय होगा। विशषज्ञ का कहना है कि नया नियम जीएसटी कलेक्शन बढ़ाने में मददगार होगा। साथ ही कंपनियों को समय पर आईटीसी का लाभ भी मिल जाएगा. इसका मकसद डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया को और मजबूत बनाना है। सरकार ने हाल में ही 100 करोड़ से ज्यादा टर्नओवर वाले कारोबार या कंपनियों के लिए भी हर ट्रांजेक्शन का जीएसटी इनवॉयस निकालना अनिवार्य कर दिया था।

इंफोसिस का मुनाफा आठ फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस इंफोसिस ने जनवरी-मार्च तिमाही के पे रिणाम जारी कर दिए हैं। कंपनी को बंपर मुनाफा हुआ है। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 7.8 फीसदी बढ़कर 6128 करोड़ रुपए रहा। तिमाही दर तिमाही आधार पर कंपनी का मुनाफा दिसंबर 2022 तिमाही से कम रहा है। दिसंबर 2022 तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6586 करोड़ रुपए था। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी की आय भी बढ़ी है। यह मार्च तिमाही में 16 फीसदी बढ़कर 37,441 करोड़ रुपए रही है, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 32,276 करोड़ रुपए थी। दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व 38,318 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी के ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन में तिमाही और सालाना आधार पर 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 21 फीसदी रहा है। कॉन्सटैंट करेंसी पर कंपनी का रेवेन्यू दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 8.8 फीसदी और पूरे वित्त वर्ष में 15.4 फीसदी बढ़ा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमें अपने ग्राहकों की तरफ से दक्षता और लागत में सुधार और एकीकरण को लेकर मजबूत रुझान देखने को मिल रहा है। लिहाजा कई सौदे पाइपलाइन में हैं।

कंपनी ने मुनाफा कमाने के साथ निवेशकों को भी खुशखबरी दी है। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2023 के 17.50 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया। डिविडेंड के 2 जून 2023 को तय किया और 3 जुलाई 2023 तक डिविडेंड की राशि योग्य शेयरधारकों के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

देश की तीन कंपनियों ने कमाया नाम

- विश्व की 50 सबसे मूल्यवान ऑटोमोटिव ब्रांड की लिस्ट में मिली जगह

नई दिल्ली । भारतीय वाहन निर्माता तीन कंपनियों ने एक बार फिर देश का नाम रोशन कर दिया है। इन कंपनियों को विश्व की 50 सबसे मूल्यवान ऑटोमोटिव ब्रांड की लिस्ट में जगह दी गई है। इन कंपनियों में महिंद्रा, मारुति सुजुकी और बजाज ऑटो शामिल है। वैल्यू बेस्ड ब्रांड रैंकिंग एजेंसी ब्रांड फाइनेंस ने वैश्विक ऑटोमोबाइल ब्रांडों के लिए अपनी 2023 रैंकिंग जारी की है।चार्ट में टेस्ला सबसे ऊपर है, जो 2023 में मर्सिडीज-बेंज और टोयोटा को पछाड़कर दुनिया का सबसे मूल्यवान ऑटोमोटिव ब्रांड बन गया है।2022 में टोयोटा दुनिया का सबसे मूल्यवान ऑटोमोटिव ब्रांड था।लिस्ट में भारतीय ऑटोमोबाइल ब्रांड में महिंद्रा सबसे ऊपर है।रैंकिंग के हिसाब से महिंद्रा 30वें नंबर है।पिछले साल महिंद्रा की 44वीं पोजिशन पर थी।अन्य भारतीय ऑटोमोबाइल ब्रांडों में मारुति सुजुकी 40वें नंबर पर है, जो पिछले साल की 45वीं पॉजिशन से ऊपर है।हालांकि, मारुति सुजुकी पूरी तरह से एक भारतीय कंपनी नहीं है, क्योंकि इसकी बड़ी हिस्सेदारी सुजुकी के पास है, लेकिन भारत में मारुति सुजुकी सबसे बड़ी है कार निर्माता है। यह सुजुकी और मारुति उद्योग लिमिटेड के बीच सहयोग का परिणाम है।अन्य भारतीय ऑटो कंपनियों में बजाज ऑटो को चार्ट में 48 वें स्थान पर रखा गया है, जो पिछले साल की रैंकिंग से पांच स्थान नीचे है।2022 में बजाज ऑटो 43वें स्थान पर था।इसके अलावा टाटा मोटर्स, टीवीएस, हीरो मोटोकॉर्प, रॉयल एनफील्ड और अशोक लीलैंड जैसे कुछ अन्य भारतीय ऑटो निर्माता भी हैं, जिन्होंने दुनिया की 100 सबसे मूल्यवान वैश्विक ऑटोमोटिव ब्रांडों में जगह बनाई है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स को हराने उतरेगी लखनऊ सुपरजाइंट्स

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र में शनिवार को लखनऊ सुपरजाइंट्स और पंजाब किंग्स के बीच मुकाबला होगा। इस मुकाबले में सुपरजाइंट्स को घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ मिलेगा। सुपरजाइंट्स इस मैच में जीत के साथ ही अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने उतरेगी। वहीं पिछले दो मैचों में मिली हार से उबरकर पंजाब की टीम एक बार फिर जीत की राह पर आना चाहेगी। पंजाब की टीम को शुरुआती दोनो ही मैचों में जीत मिली थी पर इसके बाद के ओवरों में बड़ा स्कोर नहीं बनाने के कारण उसे हार का सामना करना पड़ा। पंजाब की मुश्किल इसलिए बढ़ी है क्योंकि कप्तान शिखर धवन के अलावा उसका कोई भी अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पा रहा है। टीम के बल्लेबाज मध्य के ओवरों में तेजी से रन बनाने में विफल रहे हैं।

इसके अलावा टीम काफी गेंदों को खाली छोड़ रही है। पिछले मैच में ही उसने 56 गेंद खाली छोड़ी थी जिसमें टीम को सुधार करने की जरूरत है। धवन ने पहले तीन मैचों में 40, नाबाद 86 और नाबाद 99 रन की पारियां खेली थी पर टीम के अन्य बल्लेबाजों के प्रदर्शन में कमी है। युवा सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया पर इसके बाद वह भी अगले मैचों में रन नहीं बना पाये। वहीं मैथ्यू शॉर्ट और जितेश शर्मा अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। बल्लेबाजों ने जहां पंजाब की चिन्ताएं बढ़ायी हैं। वहीं अर्शदीप सिंह, सैम कुरेन और अन्य गेंदबाजों ने अच्छा खेल दिखाया है। पिछले मैच में गेंदबाज ही गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार गेंदबाजी कर मैच को अंतिम ओवर तक ले गये थे। टीम के स्पिनरों हरप्रीत बरार और राहुल चाहर ने भी विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया है। वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंचना चाहेगी।

लखनऊ की परेशानी कप्तान लोकेश राहुल को खराब फार्म है पर उसके अन्य

खिलाड़ी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में जहां क्रुणाल पंड्या ने गेंद और बल्ले से ऑलराउंड खेल दिखाया। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ निकोलस पूरन ने 19 गेंदों पर ही 62 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। लखनऊ के बल्लेबाजी क्रम में सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स के अलावा मध्यक्रम में मार्कस स्टोइनिस, पूरन और आयुष बडोनी जैसे खिलाड़ी हैं। ऑलराउंडर दीपक हुड्डा हालांकि अभी तक सफल नहीं हुए हैं। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास तेज गेंदबाज मार्क वुड और आवेश खान है जबकि स्पिनर के तौर पर रवि बिश्नोई, अमित मिश्रा हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो लखनऊ टीम बेहद संतुलित है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, विद्वाथ कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबाडा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायदे।

लखनऊ सुपरजाइंट्स: केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

जोकोविच को मुसेटी ने हराया, लगातार तीसरे साल मोंटेकार्लो मास्टर्स से जल्दी बाहर

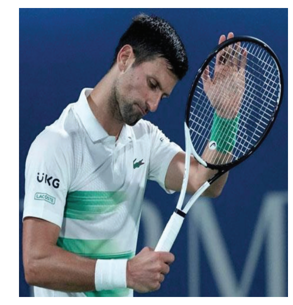

मोनाको (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच लगातार तीसरे साल मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गए। एक महीने के विश्राम के बाद क्ले कोर्ट पर सत्र का अपना दूसरा मैच खेलने वाले शीर्ष रैंकिंग के जोकोविच को गुरुवार को खेले गए मैच में लोरेंजो मुसेटी ने 4-6, 7-5, 6-4 से हराया।

सर्बिया का यह खिलाड़ी अब भी क्ले कोर्ट पर सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आठ बार अपनी सर्विस गंवाई और इटली के अपने प्रतिद्वंदी के बेसलाइन के शॉट का उनके पास कोई जवाब नहीं था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जिस तरह का खेल मैंने आज दिखाया उससे मुझे बहुत बुरा लग रहा है।'

मोंटेकार्लो में दो बार के चैंपियन जोकोविच पिछले साल फ्रांस के कोटे डीज़ूर से पहले दौर में हार गए थे जबकि 2021 में और तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। सोलहवीं वरीयता प्राप्त मुसेटी क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर से भिड़ेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त सिनर ने दूसरे सेट में एक मैच प्वाइंट बचाकर 10वीं वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्कज को 3-6, 7-6 (6), 6-1 से हराया।

तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने भी निर्णायक टाइब्रेकर में दो मैच प्वाइंट बचाए और अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 3-6, 7-5, 7-6 (7) से हराया। मेदवेदेव दूसरी बार इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। उनका सामना अब होल्गर रूने से होगा। एक अन्य मैच में जर्मन क्वालीफायर जैन लेनार्ड स्ट्रफ ने चौथी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-1, 7-6 (6) से उलटफेर का शिकार बनाया। स्ट्रफ का अगला मुकाबला 2021 के उपविजेता आंद्रे रुबलेव से होगा, जिन्होंने करेन खाचानोव को 7-6 (4), 6-2 से हराया। दो बार के गत चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास ने निकोलस जैरी को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी।

हमीरपुर में खेलों के आयोजन की अच्छी संभावनाएं : ठाकुर

हमीरपुर (एजेंसी)। हिमाचल के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि हमीरपुर में खेलों के आयोजन की अच्छी संभावनाएं हैं। इसी को देखते हुए इस जिले में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में खेल सुविधाओं को और बढ़ाया जा रहा है। ठाकुर ने यहां साइ के एनसीओई में बैडमिंटन कोर्ट, मैट हॉल, जूडो हॉल और मुक्केबाजी हॉल का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। ठाकुर ने कहा कि उत्कृष्टता केंद्र में आधुनिक सुविधाएं होने पर खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता केंद्र का विस्तार किया जाएगा और यदि जमीन उपलब्ध होती है तो यहां कम से कम 20 खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं तथा छात्रावास की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने युवाओं से इन सुविधाओं का लाभ उठाते हुए खेलों के क्षेत्र में आगे आने को कहा।

ठाकुर ने कहा कि खेलो इंडिया पहल के तहत अगले पांच वर्षों में खेल सुविधाओं पर ही करीब 3200 करोड़ रुपए खर्च कर इनका विकास किया जाएगा जिससे युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया पहल के तहत भारत में अगले पांच साल में खेल सुविधाओं पर करीब 3200 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सरकार हर राज्य में खेल सुविधाओं पर काम करेगी। ठाकुर ने सिंथेटिक ट्रैक एवं अन्य खेल सुविधाओं को लेकर कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय उद्यमियों, स्वयंसेवकों, खेल प्रेमियों और समाज के प्रमुख लोगों को आगे आना चाहिए।

फैंस के बीच डब्ल्यूपीएल की भी बढ़ेगी लोकप्रियता, बीसीसीआई ने आईपीएल की तरह तैयार किया खास प्लान

मुम्बई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) अगले संस्करण से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तरह 'होम-अवे' प्रारूप में बड़ी 'विंडो' के साथ संभवतः फरवरी में खेली जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में एक सूत्र ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। टूर्नामेंट का शुरुआती चरण मुंबई में दो स्थलों में चार से 26 मार्च तक खेला गया था। इस महीने के शुरु में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चेयरमैन अरुण धूमल ने पीटीआई को बताया था कि डब्ल्यूपीएल अगले तीन सत्र के लिए पांच टीमों का टूर्नामेंट रहेगा और यह 'होम एंड अवे' (घरेलू और प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान) प्रारूप में खेला जायेगा क्योंकि प्रशंसक बनाने के लिए यह अहम होता है।

बीसीसीआई के सूत्र ने हालांकि कहा कि लीग को टीयर-2 शहरों जैसे इंदौर में ले जाना मुश्किल होगा क्योंकि इनके नाम पर डब्ल्यूपीएल फ्रेंचाइजी नहीं है। सूत्र ने कहा कि चर्चा यह भी चल रही है कि डब्ल्यूपीएल को साल के अंत तक स्थगित कर दिया जाये ताकि इसे दिवाली के समय आयोजित किया जाये लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। वहीं भारत-पाकिस्तान के विश्व कप स्थल और एशिया कप स्थल पर चर्चा अब भी जारी है। बीसीसीआई एशिया कप 2023 में भागीदारी को लेकर और विश्व कप के दौरान पाकिस्तान के भारत में मैचों पर भारत सरकार के निर्देशों का इंतजार करेगा।

सूत्र के अनुसार सभी सदस्य इस मामले पर चर्चा कर रहे हैं और अंतिम फैसला इसके बाद ही लिया जायेगा। पीटीआई ने पहले बताया था कि पाकिस्तान के ज्यादातर विश्व कप मैच चेन्नई और कोलकाता में हो सकते हैं क्योंकि टीम अपने पिछले दौरों पर इन दो स्थलों पर सुरक्षित महसूस कर रही थी। बीसीसीआई को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट टीम के लिए मुख्य चयनकर्ता की नियुक्ति अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले कर ली जायेगी जिसके जून में ओवल में भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद होने की उम्मीद है। यह पद इस साल फरवरी में चेतन शर्मा के इस्तीफे के बाद से खाली पड़ा है।

बीसीसीआई को साथ ही भरोसा है कि भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह विश्व कप 2023 के लिए फिट होंगे जो पीठ की चोट के कारण क्रिकेट से बाहर हैं। भारत साल के अंत में अक्टूबर-नवंबर में 50 ओवर के टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा और इसके कार्यक्रम के जल्द ही आने की उम्मीद है। सूत्र ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि बोर्ड भारत के सक्रिय खिलाड़ियों को दुनिया भर में विभिन्न टी20 लीगों में हिस्सा नहीं लेने देने की नीति जारी रखेगा।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ नहीं मिले यौन उत्पीड़न के सबूत : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगे धमकी देने और यौन शोषण के मामले में अब तक कोई ठोस सबूत नहीं मिलने के संकेत एक रिपोर्ट से मिले हैं। बृजभूषण पर कई पहलवानों ने शोषण के आरोप लगाये थे। उनके खिलाफ आरोप लगाने वाले पहलवानों में विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक भी शामिल थे। इन पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के प्रमुख के खिलाफ कई आरोप लगाने के साथ ही जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन भी किया था। पहलवानों ने कहा था कि महासंघ को भंग कर बृजभूषण को अध्यक्ष पद से हटा दिया जाए। इसी के बाद खेल मंत्रालय ने महान मुक्केबाज एमसी मेरीकोम की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय निगरानी समिति का गठन किया था और उसे एक महीने में अपनी रिपोर्ट देने को कहा था। बाद में सह समय सीमा दो सप्ताह के लिए और बढ़ा दी गई और प्रदर्शनकारी पहलवानों की मांग पर बबीता फोगाट को जांच पैनल में छठे सदस्य के रूप में शामिल किया गया। समिति ने अप्रैल के पहले सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंप पर खेल मंत्रालय ने अभी इसे सार्वजनिक नहीं किया है पर एक रिपोर्ट के अनुसार महासंघ प्रमुख के खिलाफ अब तक कोई बड़ा सबूत नहीं मिला है। इसमें कहा गया है कि डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को पहलवान साबित नहीं कर सके हैं।

अगले एक दशक में विश्व क्रिकेट पर रहेगा शुभमन गिल का दबदबा : हेडन

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि बड़े स्कोर बनाने की अपनी काबिलियत के कारण शुभमन गिल का अगले एक दशक में विश्व क्रिकेट में दबदबा रहेगा। तेईस वर्षीय गिल अभी तक टेस्ट मैचों में दो, वनडे में चार और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक शतक लगा चुके हैं। उनकी 49 गेंदों पर खेली गई 67 रन की शानदार पारी से गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। हेडन उन कई लोगों में शामिल हैं जो गिल के खेल पर नियंत्रण बनाए रखने के कौशल से प्रभावित हैं। हेडन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''गुजरात टाइटंस को पंजाब किंग्स के अच्छे गेंदबाजी आक्रमण के सामने लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी ऐसे बल्लेबाज की जरूरत थी जो जिम्मेदारी संभालकर आखिर तक टिका रहे और शुभमन गिल ने यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई।'' उन्होंने कहा,'' उसके कुछ शॉट ने आंखों को सुकून पहुंचाया। वह इतना अच्छा खिलाड़ी है के अगले एक दशक में विश्व क्रिकेट में उसका दबदबा रहने वाला है।

दोहा डाइमंड लीग में स्वर्ण जीतने के इरादे से उतरेंगे नीरज , पीटर्स और वाडलेच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अगले माह दोहा में पांच मई को होने वाली डाइमंड लीग प्रतियोगिता के साथ ही नये सत्र की शुरुआत करेंगे। नीरज ने गत वर्ष भी सितंबर में डाइमंड लीग का खिताब जीता था। नीरज के अलावा अलावा विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक रजत पदक विजेता याकुब वाडलेच भी 14 चरण की इस सत्र की इस पहली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। पिछले साल स्टॉकहोम में डाइमंड लीग प्रतियोगिता में रजत पदक की जीत के दौरान 89.94 मीटर भाला फेंककर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चोपड़ा अभी तुर्की में अभ्यास कर रहे हैं। वह अभ्यास के लिए 31 मई तक वहीं रहेंगे।

नीरज चोटिल होने के कारण ही दोहा 2022 डाइमंड लीग में भी शामिल नहीं हुए थे। वहीं एंडरसन ने 93.07 मीटर की दूरी के साथ खिताब जीता था जो इतिहास की पांचवीं सबसे लंबी दूरी थी। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता वाडलेच 90.88 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तब दूसरे स्थान पर रहे थे। इस तिकड़ी के अलावा दोहा प्रतियोगिता में यूरोपीय चैंपियन जर्मनी के जूलियन वेबर, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकोट, पूर्व विश्व चैंपियन और 2016 ओलंपिक रजत पदक विजेता कीनिया के जूलियस येगो भी भाग लेंगे। चोपड़ा की नजरें यहां जीत के साथ ही इस साल 90 मीटर के लक्ष्य को हासिल करने पर टिकी हैं। चोपड़ा ने कहा, ''मैं 90 मीटर की दूरी के करीब पहुंच रहा हूं इसलिए इसे हासिल करना मेरे लिए काफी मायने रखता है।'' उन्होंने कहा, ''पिछला साल मेरे लिए अच्छा था जहां विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक के साथ मैंने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वांडा डाइमंड लीग जीती। यह साल नए मौके लेकर आएगा। इन गर्मियों में मेरा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप के साथ एशियाई खेल हैं और वांडा डाइमंड लीग खिताब का बचाव भी करना है।''

आईपीएल 2023 में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की जंग में ये खिलाड़ी है शामिल, यहां जाने कौन बनेगा दावेदार

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे अधिक रन बनाने और सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी को टूर्नामेंट के अंत में खास खिताब मिलता है। इस बार आईपीएल के मुकाबले बेहद दमदार होते जा रहे है। आईपीएल में हमेशा ही दोनों कैप को लेकर कासी रोचक जंग देखने को मिलती है।

ये है ऑरेंज कैप के दावेदार

इस बार ऑरेंज कैप के लिए कई खिलाड़ी दावेदार है। इसमें सबसे ऊपर शिखर धवन का नाम है। शिखर धवन ने चार पारियों के खेलते हुए दो बार नॉट आउट रहकर सबसे अधिक 233 रन बनाए है। अपनी पारियों में वो दो अर्धशतक जड़ चुके है। आईपीएल में सबसे अधिक रन 99 नॉटआउट भी शिखर धवन ने ही बनाने है। इस खिताब को पाने के लिए शिखर को डेविड वार्नर (209) और जोस बटलर (204) से भी कड़ी चुनौती मिल रही है। ऋतुराज गायकवाड़ (197) और शुभमन गिल (183) भी ऑरेंज कैप के लिए दावेदारी ठोक सकते है।

ये है पर्पल कैप के दावेदार

आईपीएल में ऑरेंज कैप के बाद पर्पल कैप दी जाती है जो की सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज को मिलती है। इस समयनीस लिस्ट में युजवेंद्र चहल का नाम सबमसे ऊपर है। चहल अब तक 10 विकेट चटका चुके है। पर्पल कैप की लिस्ट में राशिद खान और मार्क वुड भी शामिल है।

अमन सहरावत ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। अमन सहरावत ने सीनियर स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां 57 किग्रा वर्ग में किर्गिस्तान के अल्माज समानबेकोव को हराकर भारत को एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। सहरावत ने फाइनल में समानबेकोव को 9-4 से शिकस्त दी। दिल्ली के प्रतिष्ठित छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करने वाले सहरावत ने क्वार्टर फाइनल में जापान के रिकुतो अराई को 7-1 से हराने के बाद सेमीफाइनल में चीन के वानहाओ झू को 7-4 से शिकस्त दी। पिछले साल अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले सहरावत ने 2023 सत्र में दूसरा पोडियम स्थान हासिल किया। उन्होंने फरवरी में जागरेब ओपन में भी कांस्य पदक जीता था। दो अन्य भारतीय पहलवान भी गुरुवार को कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाने में सफल रहे। दीपक कुकना (79 किग्रा) और दीपक नेहरा (97 किग्रा) अपने सेमीफाइनल मुकाबले हारने के बाद कांस्य पदक के मुकाबले में खेलेंगे। अनुज कुमार (65 किग्रा) और मुलायम यादव (70 किग्रा) पदक दौर में जगह बनाने में नाकाम रहे। भारत ने अब तक प्रतियोगिता में 12 पदक जीते हैं। ग्रीको रोमन पहलवानों ने चार पदक जीते जबकि महिला पहलवानों ने सात पदक अपने नाम किए।

यूरोपा लीग : मैनचेस्टर यूनाइटेड ने सेविला से 2-2 से ड्रॉ खेला

मैनचेस्टर। मार्सेल सेबिजर के पहले हाफ में किए गए दो गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड यूरोपा लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने की तरफ मजबूती से कदम आगे बढ़ा रहा था लेकिन अंतिम क्षणों की चूक के कारण उसे सेविला से क्वार्टर फाइनल के पहले चरण का मैच 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। सेबिजर ने 14वें और 21वें मिनट में गोल करके मैनचेस्टर यूनाइटेड मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था लेकिन टाइरेल मलासिया ने 84वें मिनट में आत्मघाती गोल कर दिया। इसके बाद हैरी मैग्वायर ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में बराबरी का गोल दागा। क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण अगले सप्ताह स्पेन में खेला जाएगा। इस बीच मैट्स वीफर के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से फेयेनोर्ड ने यूरोपा लीग के पहले चरण के क्वार्टर फाइनल मैच में रोमा को 1-0 से हराया। युवेंटस ने क्वार्टर फाइनल चरण के पहले मैच में डिफेंडर फेडेरिको गट्टी के 73वें मिनट में किए गए गोल से स्पोर्टिंग लिस्बन को 1-0 से पराजित किया।

रूस और बेलारूस के साथ नहीं खेंलेगे यूक्रेन के एथलीट, सरकार ने लगाया प्रतिबंध

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन सरकार ने अपने एथलीटों पर रूस और बेलारूस के एथलीटों के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकृत सूत्रों के अनुसार यूक्रेन के युवा और खेल मंत्रालय ने यूक्रेनी एथलीटों को रूसी और बेलारूसी एथलीटों के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है। खेल मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित हुए इस फरमान पर उप खेल मंत्री मत्वी बिदनी के हस्ताक्षर हैं।

मंत्रालय के अपने फरमान में लिखा कि यूक्रेन की राष्ट्रीय टीमों के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिबंधित किया जा रहा है, जिसमें रूस और बेलारूस के एथलीट भाग ले रहे हैं। यूक्रेनी मंत्री और राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य ओलेह नेमचिनोव ने मार्च के आखिरी सप्ताह में कहा था कि यूक्रेन सरकार ने अपने एथलीटों को 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिबंधित करने का फैसला किया है, क्योंकि इस प्रतियोगिताओं में रूसी एथलीट भी हिस्सा लेंगे।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि यूक्रेन के एथलीटों को रूसियों के साथ टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने से रोकने के कीव के फैसले से केवल यूक्रेनी खेलों को नुकसान होगा और यह यूक्रेनी एथलीटों की मनोदशा पर असरकारक होगा। ओलंपियन कंकाल रेसर व्लादिस्लाव हेरास्केविच सहित कुछ यूक्रेनी एथलीटों ने प्रतिबंध की आलोचना करते हुए कहा कि इससे यूक्रेनी खेलों पर बेहद बुरा असर पड़ेगा।

उन्होंने ट्विटर पर लिखा, अगर यूक्रेनी प्रतिनिधि प्रतियोगिताओं में उपस्थित नहीं होते हैं, तो हम अंतरराष्ट्रीय खेल मैदानों को पूरी तरह से खाली कर देते हैं और रूसी/बेलारूसी प्रतिनिधियों को उनके आख्यानों और प्रचार को बढ़ावा देने का अवसर देते हैं। मंत्रालय ने निर्देश दिया कि उनके आदेश का अनुपालन किया जाए। मंत्रालय के आदेश का उल्लंघन करने की स्थिति में यूक्रेन के खेल संघ राष्ट्रीय महासंघ के दर्जे से वंचित हो जाएंगे। आदेश में रूसी और बेलारूसी एथलीटों के भाग लेने पर टूर्नामेंट से यूक्रेनी एथलीटों के प्रतिनिधिमंडल को वापस बुलाने का भी प्रावधान है।

गौरतलब है कि आईओसी के प्रमुख थॉमस बाक ने 28 मार्च को कहा था कि आईओसी के कार्यकारी बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय खेल संघों की सिफारिश की थी कि रूसी और बेलारूसी एथलीटों को तटस्थ ध्वज के तहत प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी जाए, लेकिन अगर वे यूक्रेन में चल रहे सैन्य अभियान का समर्थन करते हैं तो उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं राई-सरसों

भूमि की तैयारी : (अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र-** जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे. है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे. है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं. प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे. है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज:- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने कहा चुनाव करने के लिए ईसी को पैसा दें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) को पंजाब प्रांत के चुनावों के लिए धन जारी करने का आदेश दिया, जिससे संघीय सरकार के साथ मतभेद और गहरा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति एजाज उल अहसन और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर की तीन सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सूत्रों के अनुसार इन-चैंबर सुनवाई के बाद निर्देश जारी किए। 4 अप्रैल को, शीर्ष अदालत ने पाकिस्तानी चुनाव आयोग (ईसीपी) को 14 मई को पंजाब प्रांत में चुनाव कराने और संघीय सरकार को 10 अप्रैल तक चुनावी निकाय को 21 अरब रुपये की राशि प्रदान करने का निर्देश दिया। हालांकि, ईसीपी ने शीर्ष अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कहा गया कि संघीय सरकार ने चुनाव के लिए धन उपलब्ध नहीं कराया है। इसके बाद, संबंधित अधिकारियों को अदालत में पेश होने और देरी के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी किया गया था। सम्मन के अनुसार, एसबीपी की डिप्टी गवर्नर सिमा कामिल, विशेष सचिव वित्त, अतिरिक्त सचिव वित्त, ईसीपी सचिव उमर हमीद और पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) मंसूर उस्मान अवान शुक्रवार को पीठ के समक्ष उपस्थित हुए।

चीन और रूस से लोहा लेने तैयार हो रहा अमेरिका

-नई पीढ़ी का हथियार बनाने में जुटा

वॉशिंगटन। चीन और रूस से खतरे को देखकर अमेरिका परमाणु बम से लैस नई पीढ़ी का हथियार बनाने में जुट गया है। अमेरिका ने अपनी जमीन आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को एक नई पीढ़ी के रीएंट्री वीइकल से लैस करने की योजना बनाई है। अमेरिका ने यह कदम उस समय पर उठाया है जब चीन और रूस दोनों ही महाविनाशक हाइपरसोनिक मिसाइलों के मामले में दुनिया को पीछे छोड़ चुके हैं। रूस और चीन के सामूहिक खतरे से निपटने के लिए अब अमेरिका अपने नए प्लान पर जुट गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी वायुसेना ने नेक्स्ट जनरेशन रीइंट्री वीइकल को अपनी नई एलजीएम-35ए सेंटीनल अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल के ऊपर लगाने का फैसला किया है। यह एनजीआरवी इस तरह से बनाया गया है ताकि किसी हमले में यह बचा रहे, मारक क्षमता और सटीकता ज्यादा हो। इस नेक्स्ट जनरेशन रीइंट्री वीइकल में एक परमाणु मिसाइल का वारहेड लगा होगा। अमेरिकी वायुसेना अभी सेंटीनल मिसाइल पर एक ही वारहेड लगाने की तैयारी में है लेकिन अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए इस वॉरहेड की संख्या को 2 या 3 किया जा सकता है। इस एनजीआरवी में भविष्य में बनने वाले वॉरहेड को भी फिट किया जा सकेगा। यह परियोजना अमेरिका की लंबे समय से जमीन आधारित अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलों को बदलने के प्रयासों का हिस्सा है। इससे पहले अप्रैल में खबर आई थी कि अमेरिका अपनी मिनटमैन 3 मिसाइल की जगह परएलजीएम-35ए सेंटीनल मिसाइल को तैनात करने जा रहा है। मिनटमैन मिसाइल कोल्ड वॉर के जमाने की है। अमेरिका अपने आधुनिकीकरण योजना को साल 2029 तक पूरा करना चाहता है। सेंटीनल मिसाइल साल 2070 के दशक तक सेवा में बनी रहेगी। इस नई मिसाइल में सुरक्षा उपाय, गाइडेंस सिस्टम और वार करने की ताकत को बढ़ाया गया है।

आयरिश सांसदों को संबोधित कर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, वे अब अपने घर नहीं जाएंगे

अमेरिका पर उन्होंने आयरिश सांसद में बयान देकर कहा कि वे अब अपने घर नहीं जाएंगे, वे यहीं रुकने वाले हैं। दरअसल, राष्ट्रपति बाइडन इन दिनों आयरलैंड दौरे पर हैं। इस दौरान वे आयरिश संसद पहुंचे, जहां उन्होंने आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वराडकर से मुलाकात की। वराडकर ने बाइडन का स्वागत कर कहा कि अमेरिका और आयरलैंड दोनों का अतीत और दर्शन एक समान है। दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती है। वराडकर ने बाइडन को संबोधित कर कहा, हमेशा भविष्य की ओर देखते हुए, आपने हमें अतीत से आगे बढ़ने और कुछ बेहतर बनने में मदद की है। आयरलैंड और अमेरिका के बीच विशेष संबंधों पर बोलते हुए, जो बाइडन ने अपने दादाजी की पसंदीदा कहावतों में से एक कहावत याद की। जो बाइडन ने आयरलैंड का अपने स्वागत के लिए धन्यवाद करते हुए कहा, आयरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कोई भी बाधा बड़ी या छोटी नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसी कोई भी चीज नहीं है, जो दोनों देश मिलकर नहीं कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं घर नहीं जा रहा हूं। उन्होंने कहा, आयरलैंड के लोगों, आयरलैंड में वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है, ऐसा लग रहा है कि मैं घर पर हूं। लेइनस्टर हाउस में पहले के एक संबोधन में, जो बाइडन ने 1998 में गुड फ्राइडे समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद से विशाल प्रगति की भी प्रशंसा की थी, जो उत्तरी आयरलैंड में संघर्ष को समाप्त करने पर केंद्रित था।

ट्यूनीशिया के पास सागर में डूबी नाव, यूरोप जा रहे 25 प्रवासियों की मौत

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया के तट से दूर भूमध्य सागर में यूरोप की ओर जा रही एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार कम से कम 25 प्रवासियों की मौत हो गई और 15 अन्य लोग लापता हैं। ट्यूनीशिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्फैक्स के अभियोजक फाउजी मसौदी ने मीडिया को बताया कि ट्यूनीशियाई तट रक्षक बलों ने बृहस्पतिवार को पूर्व-मध्य ट्यूनीशिया में स्थित बंदरगाह एसफैक्स के तट के पास नाव के नीचे फंसे 15 लोगों के शव बरामद किए। उन्होंने बताया कि इससे पहले बुधवार को तटरक्षक बलों ने 10 शव बरामद किए थे और 72 प्रवासियों को बचाया था। अभियोजक ने कहा कि जीवित बचे लोगों से मिली जानकारी के आधार पर नाव में सवार 15 से 20 अन्य लोग अब भी लापता हैं। मसौदी ने बताया कि मृतकों और बचाए गए लोगों में से लगभग सभी लोग उप सहारा अफ्रीका के निवासी हैं।

पाक में संघीय सरकार व राजनीतिक दलों को नोटिस जारी

-प्रधान न्यायाधीश से जुड़े विधेयक पर सुप्रीम कोर्ट ने की सुनवाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने प्रधान न्यायाधीश की शक्तियों में कटौती से संबंधित विधेयक के खिलाफ याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई की और सत्तारूढ़ गठबंधन एवं न्यायपालिका के बीच बढ़ते विवाद के बीच संघीय सरकार और राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया। न्यायालय ने यह कहते हुए सुनवाई अगले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी कि न्यायाधीशों की उपलब्धता को देखते हुए सुनवाई की तारीख की घोषणा की जाएगी। पाकिस्तान के एक अखबार खबर के अनुसार सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता एक अहम मामला है, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि उनके मन में संसद के प्रति काफी सम्मान है। सर्वोच्च अदालत के आठ न्यायाधीशों की पीठ ने उच्चतम न्यायालय (चलन एवं प्रक्रिया) विधेयक 2023 के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। इस विधेयक के प्रावधानों में मामलों का स्वत-संज्ञान लेने एवं पीठों के गठन के प्रधान न्यायाधीश के अधिकारों में कटौती शामिल है। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान राजनीतिक दलों, संघीय सरकार, पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल मंसूर अवान, पाकिस्तान बार काउंसिल (पीबीसी), सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए।

मैक्सिको में हुई एंटी-ड्रग यूनिट व तस्करों की बीच गोलीबारी

वॉशिंगटन। देश-दुनिया में ड्रग तस्करों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, थमने का नाम नहीं ले रहा है। मैक्सिको के कुछ हिस्सों में सुरक्षाकर्मियों और ड्रग तस्कर गिरोहों के बीच विगत सोमवार को गोलीबारी हुई। उत्तरी मैक्सिको के सिनालोआ में मैक्सिकन एंटी-ड्रग यूनिट के सदस्यों ने कार्टेल के वाहनों के एक काफिले को देखा जो नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले थे। दोनों के बीच भयंकर गोलीबारी हुई। गिरोह ने जब जान लिया कि अब बचना मुश्किल है तो अपने हथियारों और गाड़ियों को छोड़कर भाग गए। पुलिस ने बताया कि गाड़ी में पीछे की सीट पर बंगाल टाइगर भी पाया गया है, लेकिन गोलीबारी में उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

पेरिस में पेंशन सुधार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर आंसू गैस के गोले छोड़े जाने से भगदड़ मच गयी।

नवविकसित बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया, बना सकती है अमेरिका की मुख्यभूमि को निशाना : उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया का कहना है कि उसने एक नवविकसित अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया है, जो अमेरिका की मुख्यभूमि को निशाना बना सकती है। मीडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसके हालिया हथियार परीक्षण में ठोस प्रणोदक द्वारा संचालित लंबी दूरी की एक नई मिसाइल शामिल है, जिसे उसने अपने परमाणु शस्त्रागार का सबसे शक्तिशाली हिस्सा बताया, जो अमेरिका और एशिया में उसके सहयोगियों को निशाना बना सकती है। मीडिया के अनुसार यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले उसके पड़ोसियों ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया ने ठोस प्रणोदक पर आधारित एक आईसीबीएम दागी है। मीडिया के अनुसार बृहस्पतिवार को सफल परीक्षण किया गया। उसने इस हथियार को बाहरी आक्रमणों को रोकने और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला सबसे शक्तिशाली माध्यम बताया। अंतर्निहित ठोस प्रणोदकों वाली आईसीबीएम को स्थानांतरित करना तथा छिपाना आसान होगा। इससे विरोधियों को प्रक्षेपण का पता लगाने तथा उसका मुकाबला करने का मौका कम मिलेगा और यह अधिक तेजी से कार्रवाई करने में सक्षम होगी। इस प्रक्षेपण से पहले उत्तर कोरिया के पिछले सभी आईसीबीएम परीक्षणों में तरल ईंधन का इस्तेमाल किया गया था।

पाक ने चेताया- अफगानिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर करेंगे हमला

– काबुल आतंकवादियों पर लगाए लगाम नहीं तो पाक करेगा कार्रवाई : आसिफ

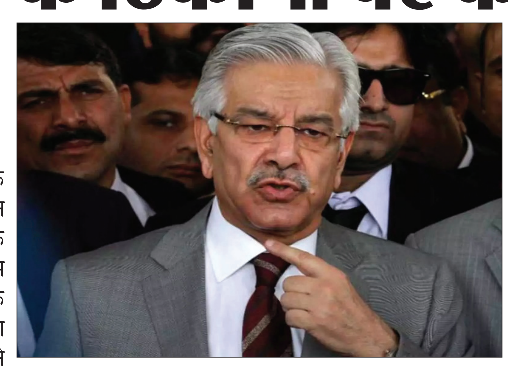

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान को चेतावनी दी है कि अगर काबुल में शासक पाकिस्तान विरोधी आतंकवादियों पर लगाम लगाने में असमर्थ हैं तो इस्लामाबाद देश के अंदर आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आसिफ ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अफगानिस्तान की अपनी फरवरी के अंत की यात्रा में तालिबान नेताओं को अपनी सीमा पार सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरने की याद दिलाई, ताकि आतंकवादियों को पाकिस्तान पर हमले की योजना बनाने और संचालित करने के लिए अफगानिस्तान की धरती का उपयोग करने से रोका जा सके। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो इस्लामाबाद कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो किसी बिंदु पर हमें कुछ उपायों का सहारा लेना होगा, जो निश्चित रूप से अफगान धरती पर जहां भी आतंकवादियों के ठिकाने हैं, हमें उन्हें मारना होगा। आगे कहा कि हमें उन्हें मारना होगा, क्योंकि हम इस स्थिति को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकते।

अगस्त 2021 में अफगान तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद से पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नेतृत्व में आतंकवादी हमलों में पुनरुत्थान देखा है, जो अफगान तालिबान का सहयोगी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान का आरोप है कि कुछ साल पहले सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तानी सैन्य अभियानों के बाद टीटीपी नेतृत्व अफगानिस्तान से काम कर रहा है, जिससे उसे हजारों लड़ाकों के साथ भागने पर मजबूर होना पड़ा। आसिफ ने दावा किया कि तालिबान नेतृत्व ने हालिया चेतावनी का बहुत अच्छा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना से लड़ने के लिए समूह से समर्थन प्राप्त करने के बाद, अफगान तालिबान टीटीपी से अलग होने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान की सेना अब अफगानिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में एक संभावित सैन्य अभियान सहित एक व्यापक योजना पर विचार कर रही है। पाक सेना अपने खर्चे को कम करने पर विचार कर रही है।

क्रीमिया यूक्रेन में है, यह यूक्रेन के नियंत्रण में वापस आएगा : कुलेबा

– रूस के साथ तब तक बातचीत नहीं, जब तक रूसी सेना सभी कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे नहीं हटती : यूक्रेन

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने गत दिवस बृहस्पतिवार को कहा कि उनका देश अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेगा कि रूस क्रीमिया, यूक्रेन के अन्य हिस्सों से अपनी सेना हटा ले, जिस पर मास्को ने हाल में अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। कुलेबा ने कहा कि 13 महीने से अधिक समय पहले रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद क्रेमलिन से निपटने में उनके देश के सभी क्षेत्रों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। कुलेबा ने रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में एक सभा को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर सिद्धांतों और साझा विश्वास से एकजुट हैं कि क्रीमिया यूक्रेन में है और यह यूक्रेन के नियंत्रण में वापस आएगा।

कुलेबा ने काला सागर सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि हर बार जब आप दुनिया के किसी भी कोने से किसी को यह कहते हुए सुनते हैं कि क्रीमिया किसी तरह विशेष है और यूक्रेन को वापस नहीं किया जाना चाहिए तो आपको यह जानना होगा कि यूक्रेन स्पष्ट रूप से इन बयानों से असहमत है। क्रेमलिन चाहता है कि कीव क्रीमिया पर रूस की संप्रभुता को स्वीकार करे और सितंबर में डोनेत्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जेपोरिजिया के यूक्रेनी प्रांतों के कब्जे को भी मान्यता दे। यूक्रेन ने उन मांगों को खारिज कर दिया है और कहा है कि वह रूस के साथ तब तक बातचीत नहीं करेगा, जब तक मॉस्को की सेना सभी कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे नहीं हट जाती।

अफगानिस्तान के सफेद सोने पर चीन की नजर, दिया 10 अरब डॉलर के निवेश का ऑफर

काबुल (एजेंसी) अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद चीन ने खुलकर खेल करना शुरू कर दिया है। चीन अपने सीपीईसी परियोजना को अफगानिस्तान तक ले जाना चाहता है। चीन की नजर अफगानिस्तान में पाए जाने वाले अरबों डॉलर के प्राकृतिक संपदा पर है। इसमें लिथियम, सोना, लोहा जैसी मूल्यवान धातुएं पाई जाती हैं। अब चीन ने इस पर कब्जे की चाल चल दी है। चीन ने तालिबान को लिथियम रिजर्व हासिल करने के लिए 10 अरब डॉलर का ऑफर दिया है। चीन का यह ऑफर तब आया है जब अभी तक किसी भी देश ने तालिबानी सरकार को मान्यता नहीं दी है।

चीनी कंपनी गोचिन ने तालिबान के खनन मंत्रालय को यह ऑफर दिया है। गोचिन ने कहा कि वह अफगानिस्तान में 10 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए तैयार है। तालिबान के खनन और पेट्रोलियम मंत्री शहाबुद्दीन डेलावर ने गोचिन के प्रतिनिधियों से काबुल में मुलाकात की है। तालिबानी मंत्रालय ने कहा कि चीनी निवेश से 1 लाख 20 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और 10 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी मिलेगी। गोचिन ने कहा कि निवेश के हिस्से के तहत वह सलांग दर्रे को 7 महीने में रिपेयर करेगी।

गोचिन ने कहा कि वह एक और सुरंग खोदेगी। साथ ही अफगानिस्तान के अंदर से निकाले गए लिथियम को प्रॉसेस किया जाएगा। तालिबान के सत्ता में आने के बाद चीन ने आतंकी गुट के साथ अपने आर्थिक रिश्तों का विस्तार किया है। चीन की कंपनियां अब अफगानिस्तान में निवेश करने का प्रस्ताव दे रही हैं। जनवरी 2023 में शिजियांग सेंट्रल एशिया पेट्रोलियम गैस कंपनी ने उत्तरी अफगानिस्तान में स्थित अबू दराया घाटी से तेल निकालने का सौदा किया था। यह पूरा सौदा 54 करोड़ डॉलर का हुआ था।

रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान के पास लिथियम का 1 ट्रिल्यन डॉलर का अनुमानित भंडार है। चीन की कंपनियां अफगानिस्तान के इस सफेद सोने पर अपना कब्जा हासिल करने के लिए लंबे समय से प्रयास कर रही हैं। तालिबान सरकार को अभी चीन समेत दुनिया के किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है।

दायर वाद के सिलसिले में एटार्नी जनरल कार्यालय ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से किए 7 घंटे तक सवाल-जवाब

– ट्रंप ने कारोबार से जुड़ी गतिविधियों पर न्यूयॉर्क में दूसरी बार दी गवाही

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी कंपनी के कारोबार से जुड़ी गतिविधियों को लेकर एक वाद के सिलसिले में बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क की अटार्नी जनरल के कार्यालय ने करीब 7 घंटे तक सवाल-जवाब किए। ट्रंप ने कारोबारी गतिविधियों को लेकर दायर वाद के सिलसिले में दूसरी बार गवाही दी है। रिपब्लिकन नेता ने अटार्नी जनरल लेतीतिया जेम्स के वकीलों से मुलाकात की। जेम्स ने पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ पिछले साल वाद दायर किया था। अटार्नी जनरल के वाद में दावा किया कि ट्रंप और उनके परिवार ने अपनी निवल संपत्ति (नेटवर्थ) और होटल एवं गोल्फ कोर्स जैसी संपत्ति के मूल्य के बारे में झूठी सूचना देकर बैंकों को गुमराह किया। यह वाद मैनहट्टन जिला अटार्नी द्वारा ट्रंप के खिलाफ दायर आपराधिक आरोपों से अलग है।

ट्रंप के मैनहट्टन स्थित इमारत में प्रवेश करने के कुछ ही समय बाद उनकी वकील एलिना हब्बा ने कहा कि वह न केवल गवाही देना चाहते हैं, बल्कि वह इसके लिए उत्सुक भी हैं। इसी इमारत में जेम्स के कार्यालय स्थित हैं। गवाही पूरी होने के बाद ट्रंप के व्यवसायों के वकील क्रिस्टोफर केसे ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने करीब 7 घंटे अपनी व्यावसायिक सफ्लता के बारे में विस्तार से बताया। केसे ने कहा कि इस सफ्लता से जुड़े तथ्य जब सामने आएंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि कोई धोखाधड़ी नहीं हुई। वहीं जेम्स ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में गवाही के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का जवाब देने से इनकार कर दिया।

ट्रंप ने बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में वाद को अन्य मामलों की तरह चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश और हास्यास्पद बताया। इससे पहले के एक पोस्ट में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा था कि वाद के बारे में एक अच्छी चीज यह है कि मैं यह दिखा सकूंगा कि मैंने कितनी बड़ी, लाभकारी और मूल्यवान कंपनी बनाई है। ट्रंप ने इससे पहले पिछले साल 10 अगस्त को जेम्स के वकीलों से मुलाकात की थी, लेकिन कुछ प्रक्रियागत सवालों को छोड़कर अन्य का जवाब देने से इनकार कर दिया था। जेम्स द्वारा दायर वाद की सुनवाई अक्टूबर में शुरू हो सकती है।

बुशरा बीवी के साथ इमरान खान का निकाह गैरकानूनी व इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ : मुफ्ती सईद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीवी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। इमरान खान और बुशरा बीवी का निकाह कराने वाले मुफ्ती सईद ने अदालत में कहा है कि बुशरा बीवी के साथ इमरान खान का निकाह अवैध था। पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान और बुशरा बीवी का निकाह कराने वाले मुफ्ती सईद ने बुधवार को एक अदालत से कहा कि इमरान खान का निकाह गैरकानूनी और इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ है। मुफ्ती ने इमरान खान और बुशरा बीबी के खिलाफ अवैध विवाह के एक मामले में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश नसर मिनुल्ला के समक्ष गवाही दी। मुफ्ती सईद ने अदालत में कहा कि इमरान ने 1 जनवरी 2018 को उनसे फोन पर संपर्क किया और बुशरा बीवी के साथ निकाह करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि उनके इमरान के साथ अच्छे संबंध हैं, क्योंकि वह उनकी कोर कमेटी के सदस्य हैं। मुफ्ती सईद के अनुसार बुशरा बीवी के साथ एक महिला भी थी, जिसने खुद को उनकी बहन बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने महिला से पूछा कि क्या इस्लाम के सिद्धांतों के अनुसार निकाह किया जा सकता है। यह पूछने पर महिला ने जवाब दिया कि निकाह की शरीयत की सभी शर्तें पूरी हो गई हैं। मुफ्ती ने अदालत को बताया कि उसने महिला के आश्वासन पर एक जनवरी 2018 को निकाह कराया। उन्होंने कहा कि इमरान ने फरवरी में उनसे संपर्क किया और उनसे फिर से निकाह करने का अनुरोध किया।

पाकिस्तान अभी और होगा कंगाल, मुसीबतें होंगी दोगुनी: संयुक्त राष्ट्र

– पाकिस्‍?तान पर 4 खरब पाकिस्‍?तानी रुपए का कर्ज

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान का आर्थिक संकट टलने का नाम नहीं ले रहा है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की तरफ से दिए गए बयान ने पाकिस्तान की चिंताओं को दोगुना कर दिया है। भयंकर आर्थिक संकट में घिरे पाकिस्तान पर जो कर्ज है, उसकी वजह से हालात और बिगड़ने वाले हैं। यूएन से जुड़ी ट्रेड एंड डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस की तरफ से एक रिपोर्ट जारी की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के बाहरी कर्ज में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसकी वजह से निर्यात से होने वाली आय में कमी आएगी और साथ ही आर्थिक संकट और गहराएगा। पाकिस्तान पर इस समय चार खरब पाकिस्तानी रुपए का कर्ज है। जनवरी 2023 में कर्ज में करीब 7.7 फीसदी का इजाफा हुआ था।

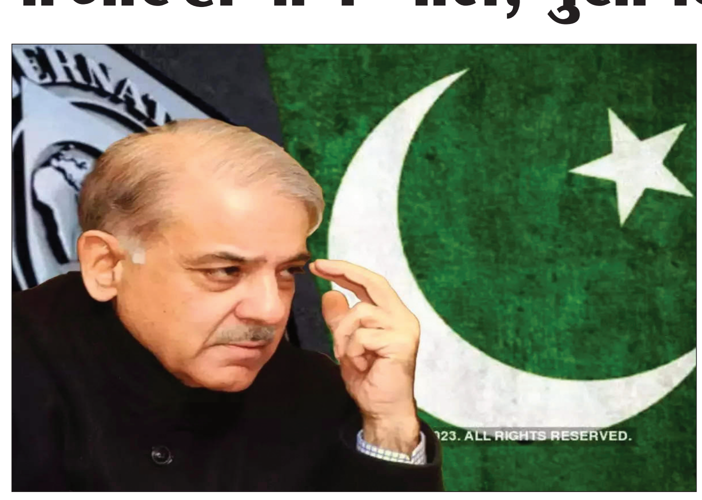

यूएन ने कहा है कि पाकिस्तान इस समय बहुसंकट की तरफ बढ़ रहा है। साल 2015 से 2020 के बीच देश का बाहरी कर्ज करीब दोगुना हो चुका है। इस कर्ज की वजह से साल 2022 में आर्थिक संकट इतना गहराया है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान की नौ मार्च को आई रिपोर्ट में कहा गया था कि जनवरी 2022 में देश पर 42.49 खरब रुपए का कर्ज था और इसमें 30 फीसदी का इजाफा हुआ है। पाकिस्तान इतिहास के सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान अब डिफॉल्ट होने की कगार पर पहुंच गया है। विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर गिर गया है। इसकी वजह से आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस वजह से भी अर्थव्यवस्था पर गलत असर पड़ रहा है।

यूएन की रिपोर्ट में पाकिस्तान को इस समय सबसे ज्यादा गेहूं और ऊर्जा का आयात करना पड़ रहा है, लेकिन यूक्रेन युद्ध की वजह से इन बाजारों में बढ़ती कीमतों के कारण पाकिस्तान पर अब जोखिम बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध की वजह से आयात काफी महंगा हो गया है और साल 2022 में यही स्थिति बनी रही है। इसके अलावा पाकिस्तानी रुपए के मूल्य में तेजी से गिरावट आई है। साल 2020 की शुरुआत से ही पाकिस्तान रुपया डॉलर के मुकाबले 40 प्रतिशत से ज्यादा स्तर तक गिर गया है। इस वजह से देश में महंगाई बढ़ी है और विनिमय भंडार तेजी से घटा है।

यूएन के अनुसार पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहले से ही बिगड़ रही थी। उस पर पिछले साल आए मॉनसून ने इसे बद से बदतर कर दिया। बारिश सामान्य से 50 फीसदी ज्यादा हुई और इसकी वजह से देश के कई हिस्सों को विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ा। विश्व बैंक के मुताबिक बाढ़ से 50 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान देश को झेलना पड़ा है। बाढ़ से हुई तबाही के बाद द्विपक्षीय और बहुपक्षीय लेनदारों ने भागीदारों ने 16.3 अरब डॉलर से करीब नौ अरब डॉलर का फंड देने का मन बनाया। इस फंड का प्रयोग पुनर्निर्माण जरूरतों को पूरा करने के लिए होना था। यूएन का कहना है कि ये फंड पाकिस्तान के कर्ज बोझ को बढ़ाएगा।

आतंकियों के मुंबई में घुसने की झूठी सूचना देने वाला शख्स गिरफ्तार

मुंबई। तीन आतंकियों के मुंबई में घुसने की झूठी और गलत जानकारी देने वाले शख्स को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है. महाराष्ट्र एटीएस ने यह बड़ी कार्रवाई की है। बता दें कि आरोपी ने 7 अप्रैल को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर यह गलत जानकारी दी। पुलिस को गुमराह करने वाले आरोपी को महाराष्ट्र के अहमदनगर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम यासीन सैयद (47) है। एटीएस ने यासीन को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए मुंबई के आजाद मैदान पुलिस को सौंप दिया है। आजाद मैदान पुलिस यासीन सैयद से पूछताछ कर रही है। आपको बता दें कि बीते 7 अप्रैल की सुबह यासीन सैयद ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को फोन किया और कहा कि तीन आतंकवादी मुंबई आए हैं। कहा गया कि वह पाकिस्तान से संबंध रखता है तथा एक आतंकी का नाम मुजीब सैयद है. उसने मुजीब का मोबाइल नंबर और गाड़ी का नंबर पुलिस को दिया था। इस कॉल के बाद सनसनी मच गई। आतंकी एंट्री की कॉल मिलते ही मुंबई पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी. महाराष्ट्र एटीएस के साथ मुंबई पुलिस ने भी जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि पूर्व रंजिश के चलते इस तरह फोन कर झूठी सूचना दी गई। आरोपी ने जिस सिम कार्ड से यह कॉल की थी वह वर्ष 2013 में खरीदा गया था। वह इसी सिम कार्ड की मदद से फोन करता था और कार्ड बंद होने से बचने के लिए उसे रिचार्ज कर रहा था।

भारत में सिर्फ 11.3 फीसदी महिलाएं स्मार्टफोन पर पेमेंट ऐप का करती हैं प्रयोग

–मुश्किल से 6.1 प्रतिशत महिलाएं गेमिंग एप्लिकेशन पर सक्रिय

नई दिल्ली । भारतीय उपयोगकर्ताओं के स्मार्टफोन पर बिताए गए समय में 50 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद केवल 11.3 प्रतिशत भारतीय महिलाएं भुगतान के लिए स्मार्टफोन का उपयोग कर रही हैं। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनोवेशन स्टार्ट-अप बॉबल एआई की रिपोर्ट से पता चला है कि मुश्किल से 6.1 प्रतिशत महिलाएं गेमिंग एप्लिकेशन पर सक्रिय हैं। दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में खाद्य ऐप (23.5 प्रतिशत) का उपयोग करने वाली महिलाओं का उच्च अनुपात भी दिखाया गया है। इसके अलावा संचार ऐप (23.3 प्रतिशत) और वीडियो ऐप (21.7 प्रतिशत) के उपयोग में महिलाओं की भागीदारी भी भुगतान ऐप और गेम की तुलना में अधिक थी। कंपनी के 85 मिलियन से अधिक एंड्रॉइड स्मार्टफोन के विशाल आधार को कवर करने वाले फर्स्ट-पार्टी डेटा का उपयोग कर अनुसंधान किया गया। रिपोर्ट मोबाइल उपयोग के रुझान और भारतीय उपभोक्ताओं के विकास का विश्लेषण करने के लिए 2022 और 2023 के आंकड़ों पर आधारित है। समग्र डेटा में पाया गया कि उपयोगकर्ताओं ने 2022 की तुलना में 2023 के शुरुआती महीनों में अपने स्मार्टफोन पर 50 प्रतिशत अधिक समय बिताया। रिपोर्ट का दावा है कि भारत अपना अधिकांश समय संचार ऐप, सोशल मीडिया ऐप और वीडियो ऐप (कुल 76.68 प्रतिशत) पर खर्च करता है, बाकी ऐप्स को कुल टाइम का 23 प्रतिशत से थोड़ा अधिक मिलता है जो उपयोगकर्ता अपने स्मार्टफोन पर खर्च करते हैं। अन्य ऐप्स में लाइफस्टाइल ऐप सबसे अधिक आकर्षक बनकर उभरा है, जिसमें उपयोगकर्ता इस श्रेणी के ऐप्स पर अपना 9 प्रतिशत से अधिक समय व्यतीत करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन श्रेणियों के अलावा, वित्त, गेमिंग, संगीत और मनोरंजन ऐप में बिताए गए समय के संबंध में 1 प्रतिशत से अधिक की व्यस्तता देखी गई।

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में

–तीर्थयात्रियों के पंजीकरण के लिए लगेगी स्कैनर मशीनें

देहरादून । उत्तराखंड में आगामी चार धाम यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। केवल तीर्थयात्रियों के पंजीकरण का सत्यापन लंबित है। सत्यापन के लिए यमुनोत्री के लिए बड़कोट, गंगोत्री के लिए हिना, केदारनाथ के लिए सोनप्रयाग और बद्रीनाथ के लिए पांडुकेश्वर में स्कैनर मशीनें लगेंगी। अधिकारियों के मुताबिक चार धाम यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के पंजीकरण का तीन तरह से सत्यापन होगा। यात्रियों के कलाई बैंड और पंजीकरण की एक कॉपी को मान्य माना जाएगा और मोबाइल पर क्यूआर कोड को स्कैन करके तीर्थयात्री के पंजीकरण का सत्यापन होगा। इस बीच उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने सालाना तीर्थयात्रा से पहले उप जिला अस्पताल श्रीनगर और बेस अस्पताल श्रीकोट में लगाए गए हेल्थ एटीएम का निरीक्षण किया। अधिकारियों से चार धाम तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए इन एटीएम पर एक तकनीकी व्यक्ति को तैनात रखने को कहा गया। तीर्थयात्रियों के नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए चार धाम यात्रा मार्ग पर गढ़वाल मंडल में 50 हेल्थ एटीएम लगाए गए हैं। जहां ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, बॉडी टेम्परेचर, ऑक्सीजन कंटेंट, बॉडी फैट जैसे पैरामीटर और इंडेक्स, डिहाइड्रेशन और पल्स रेट सहित 70 फी टेस्ट किए जाएंगे। स्वास्थ्य अधिकारियों को पौड़ी जिले के विभिन्न होटलों, ढाबों व रेस्टोरेंट में खाने-पीने के सामान की जांच के लिए टीम बनाकर तीर्थ मार्ग पर सघन चेकिंग अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए। रिपोर्टों के मुताबिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण हर साल चार धाम यात्रा के दौरान कई तीर्थयात्रियों की मौत तक होती है। इन्हें रोकने के लिए एक विशेषज्ञ समिति ने 50 साल और उससे अधिक उम्र वाले तीर्थयात्रियों के लिए स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। लोगों को यात्रा पर जाने से पहले अपने पूरे हेल्थ और फिटनेस का पता लगाने और पूरे शरीर की जांच करवाना बेहद जरूरी है।

श्रीलंका की आर्थिक स्थिति सुधारने साथ आए भारत, जापान और फ्रांस

नई दिल्ली । भारत, जापान और फ्रांस ने श्रीलंका के लिए ऋण पुनर्गठन वार्ता प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) - विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) की वाशिंगटन में मीटिंग्स के दौरान श्रीलंकाई ऋण मुद्दों पर एक उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेकर भारत, जापान और फ्रांस द्वीप राष्ट्र के समन्वित ऋण पुनर्गठन का नेतृत्व करने के लिए सहमत हुए हैं। इसका उद्देश्य श्रीलंका के साथ लेनदारों के बीच ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया के संबंध में बहुपक्षीय सहयोग का प्रदर्शन करना था। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने श्रीलंका के मौजूदा आर्थिक संकट से निपटने में उसका समर्थन करने की भारत की प्रतिबद्धता जाहिर की। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ऋण पुनर्गठन चर्चाओं में सभी लेनदारों के साथ व्यवहार में पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित करने के लिए लेनदारों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है। बैठक में जापानी वित्त मंत्री सुजुकी शुनिची, फ्रांस के ट्रेजरी के महानिदेशक इमैनुएल मौलिन और श्रीलंका के राज्य के वित्त मंत्री शेहान सेमासिंघे उपस्थित थे। इस आयोजन में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और वित्त मंत्री ने वर्चुअली हिस्सा लिया।

फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय वायु अभ्यास में हिस्सा लेगी भारतीय वायुसेना

–राफेल लड़ाकू विमानों के साथ भारत का पहला विदेशी अभ्यास होगा

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना फ्रांस में कई देशों के अंतर्राष्ट्रीय युद्धाभ्यास का हिस्सा बनने जा रही है। वायु सेनाओं के इस अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास के लिए भारतीय वायुसेना की टुकड़ी में 4 राफेल विमान, दो सी-17 और दो 78 विमान तथा 165 वायु सैनिक शामिल किए गए हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारतीय वायुसेना में शामिल होने वाले राफेल लड़ाकू विमानों के लिए यह पहला विदेशी अभ्यास होगा। फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों की वायु सेनाएं इस अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास का हिस्सा हैं। भारतीय वायुसेना की एक टुकड़ी शुक्रवार को भारत से फ्रांस के लिए रवाना होगी। भारतीय वायु सैनिक, फ्रांस के मॉन्ट डे मार्सन में फ्रेंच एयर एंड स्पेस फोर्स (एफएएसएफ) के वायुसेना बेस स्टेशन में हो रहे ओरियन अभ्यास में भाग लेंगे। इस अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन 17 अप्रैल से 5 मई तक किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस अभ्यास में भारतीय वायुसेना और फ्रांस की फ्रेंच एयर एंड स्पेस फोर्स के अलावा जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन, स्पेन और अमेरिका की वायुसेना भी भाग ले रही हैं। इस अभ्यास के दौरान होने वाली भागीदारी अन्य देशों की वायुसेना से सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को आत्मसात करके भारतीय वायुसेना की कार्यशैली तथा धारणा को और समृद्ध करेगी।

बीजेपी, आरएसएस के 'दुष्प्रचार' के विपरीत तेजी से घट रही है मुसलमानों की आबादी : दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस के देश में मुस्लिम समुदाय की आबादी बढ़ने के बारे में 'दुष्प्रचार' के विपरीत हिंदुओं की तुलना में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की संख्या तेजी से घट रही है और वह इसे साबित कर सकते हैं। सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार करते हुए दिग्विजय सिंह पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और समाज को विभाजित करने के लिए झूठे बयान देने का आरोप लगाया। सिंह ने बृहस्पतिवार को जनगणना कराने पर अपनी पार्टी के रुख के बारे में पत्रकारों के सवाल के उत्तर में यहां यह दावा किया।

सिंह ने कहा, ''भाजपा व संघ का प्रचार कि देश में मुसलमानों की आबादी बढ़ रही है, सरासर झूठ, गलत और अप्रमाणित है क्योंकि हिंदुओ की तुलना में अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी तेजी से घट रही है और मैं इसे प्रमाणित कर सकता हूं।'' पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा, ''जनगणना पर मेरा मानना है कि यह होनी चाहिए। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आधार पर इसके परिणाम सामने आने चाहिए। अभी तक केवल 2011 की जनगणना के परिणाम उपलब्ध हैं। इसके बाद के आंकड़े अभी तक नहीं आए हैं। जनगणना आयोजित की जानी चाहिए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस जाति आधारित जनगणना कराने की मांग को अपने घोषणापत्र में शामिल करेगी, सिंह ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है क्योंकि यह नियम और कानून के अनुसार है। बिहार में जाति आधारित जनगणना के बारे में आगे पूछे जाने पर सिंह ने कहा, ''जनगणना राष्ट्रीय स्तर पर होनी चाहिए।'' मुस्लिम आबादी पर सिंह की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त हैं और जाति और धर्म के आधार पर समाज को विभाजित करने के लिए झूठे बयान फैला रहे हैं। कांग्रेस पार्टी द्वारा वोट बैंक की राजनीति करने के आरोप के जवाब में सिंह ने कहा, ''कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति नहीं करती है। वर्ष 1952 से आज तक कांग्रेस अनुसूचित जाति, जनजाति व वंचित तबके की लड़ाई लड़ती आयी है।'' संवेदनशील मामलों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ''खामोशी' को लेकर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि एक ओर तो प्रधानमंत्री किसी खिलाड़ी की उंगली में चोट लग जाने को भी बड़ी चिंता का विषय बताते हैं वहीं दूसरी ओर देश भर में खुलेआम भड़काऊ भाषण देने वालों, वैमनस्यता फैलाने वालों व जान से मारने की धमकी देने वालों के मामले में चुप्पी साध लेते हैं।

मध्य प्रदेश में साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सिंह ने कहा कि मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा), ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे दल भी कांग्रेस के वोटों को विभाजित करने और भाजपा की मदद करने के लिए मैदान में होंगे। उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसे दल सत्ता में नहीं आ पाएंगे। लड़ाई कांग्रेस और भाजपा के बीच है।'' भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद, क्या कांग्रेस कमजोर हो गई, इस सवाल पर सिंह ने कहा, ''उनके जाने के बाद, कांग्रेस में शांति और एकता है जबकि अशांति और फूट अब भाजपा में है।'' सिंह ने 'लाडली बहना' जैसी लोकलुभावन योजनाओं को शुरू करने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की आलोचना की और सवाल किया कि भाजपा ने पिछले 18 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में रहने के दौरान राज्य के लोगों को याद क्यों नहीं किया और चुनावी साल में ऐसा क्यों कर रही है।

सपा की सरकार बनने में लाड़ली बहना योजना में 6 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे : अखिलेश यादव

इंदौर । संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को अंबेडकर नगर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। इस मौके पर उन्होंने समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर लाडली बहना को छह हजार रुपये माह देने का वादा किया। दरअसल अखिलेश से लाड़ली बहना योजना को लेकर सवाल पूछा कि क्या मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना अच्छी है? तब यादव का जवाब था कि योजना में महिलाओं को छह हजार रुपये महीने मिलना चाहिए, समाजवादी सरकार बनेगी, तब लाडली बहना को छह हजार रुपये की राशि दी जाएगी। मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार ने लाडली बहना योजना शुरू की है, जिसमें हर माह पात्र महिलाओं को एक हजार रुपये की राशि दिए जाने का प्रावधान है, इस तरह साल में 12 हजार रुपये महिलाओं को मिलने हैं। अंबेडकरनगर में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ जयंत चौधरी और चंद्रशेखर आजाद भी थे, जिन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बंगाल में ममता बनर्जी पर बरसे अमित शाह, कहा-

रामनवमी पर हमला करने की किसी की नहीं होगी हिम्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहे। इस दौरान बीरभूम से उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भी जनता से भाजपा को समर्थन देने की अपील की। अमित शाह ने अगले लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 में से 35 सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने की अपील करते हुए लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य हासिल कर लिया गया तो तृणमूल कांग्रेस सरकार 2025 से आगे नहीं चल पाएगी।

ममता को बताया हिटलर

ममता बनर्जी सरकार पर ÷हिटलर जैसा शासन÷ चलाने के लिए निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी 2024 में राज्य में 35 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में लौटती है, तो ÷कोई भी राज्य में रामनवमी की रैलियों पर हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा।÷ इस महीने की शुरुआत में रामनवमी उत्सव के दौरान राज्य के विभिन्न स्थानों पर हिंसा हुई थी। शाह ने यहां बीरभूम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ÷मैं साफ-साफ कह दूं कि नरेन्द्र मोदी फिर से देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। 2024 के लोकसभा चुनावों में, हमें पश्चिम बंगाल से 35 से अधिक सीटें दें, और मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि ममता बनर्जी सरकार 2025 से आगे नहीं टिक पाएगी।÷ ममता बनर्जी सरकार 2026 में अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करने वाली है।

उन्होंने कहा, 'ममता बनर्जी भले ही अपने भतीजे को अगला मुख्यमंत्री बनाने का सपना देखती हों, लेकिन पश्चिम बंगाल का अगला मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। केवल भाजपा ही भ्रष्ट टीएमसी से लड़ सकती है और उसे हरा सकती है।' उन्होंने कहा कि दीदी और उनके भतीजे के अत्याचारों से छुटकारा पाने के लिए बीजेपी को जिताने में मदद करनी चाहिए। राज्य में बढ़ रही तस्करी की घटनाओं को रोकने के लिए बीजेपी को सत्ता की चाबी संभालने का मौका जनता को देना चाहिए। बनर्जी के भतीजे अभिषेक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 सीटों पर जीत हासिल की थी। शाह की टिप्पणियों पर टीएमसी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। पार्टी ने इसे 'अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक' करार दिया।

गौरतलब है कि इस वर्ष रामनवमी यानी 30 मार्च को निकाली गई शोभा यात्रा के दौरान बंगाल में हिंसा की घटना हुई थी। इस दौरान सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस विपक्षी पार्टी भाजपा पर हिंसा करवाने का आरोप लगाती रही है।

राज्य और संबंधित अधिकारी दया याचिका पर जल्द फैसला लें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दया याचिका पर फैसला करने में अत्यधिक देरी से मौत की सजा का उद्देश्य विफल हो जाएगा। इसकारण राज्यों व सक्षम अधिकारियों द्वारा दया याचिका पर जल्द फैसला लिया जाए। जस्टिस एम.आर.शाह और सी.टी.रविकुमार ने कहा कि यह सच है कि मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के दौरान अपराध की गंभीरता एक प्रासंगिक विचार हो सकता है, लेकिन दया याचिकाओं के निपटान में अत्यधिक देरी को भी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलते समय एक प्रासंगिक विचार कहा जा सकता है।

अगर अंतिम निष्कर्ष के बाद भी दया याचिका पर फैसला करने में अत्यधिक देरी होती है, तब मौत की सजा का उद्देश्य और उद्देश्य विफल हो जाएगा। इसलिए राज्य सरकारों /या संबंधित अधिकारियों को दया याचिकाओं पर जल्द से जल्द फैसला लेना चाहिए, ताकि दोषी को भी अपने भाग्य का पता चल सके और पीड़ित को भी न्याय मिल सके।

पीठ ने कहा कि जगदीश बनाम मध्य प्रदेश राज्य (2020) में, पांच साल से अधिक समय से लंबित दया याचिका के निपटान में देरी को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने का निर्देश दिया, और इस आधार पर मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने के अन्य फैसलों का भी हवाला दिया। शीर्ष अदालत का आदेश बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर आया। उच्च न्यायालय ने 1990 से 1096 के बीच कोल्हापुर जिले में 13 बच्चों के अपहरण व उनमें से नौ की हत्या की दोषी रेणुका और उसकी बहन को दी गई मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था।

शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उच्च न्यायालय ने मौत की सजा को इस आधार पर आजीवन कारावास में बदल दिया है कि दया याचिकाओं पर फैसला नहीं करने में राज्य/राज्य के राज्यपाल की ओर से अत्यधिक अस्पष्ट देरी हुई है। दोषियों की दया याचिका को लगभग 7 साल 10 महीने तक लंबित रखा गया।

अडाणी समूह के मामले की जांच का एकमात्र रास्ता जेपीसी है : कांग्रेस

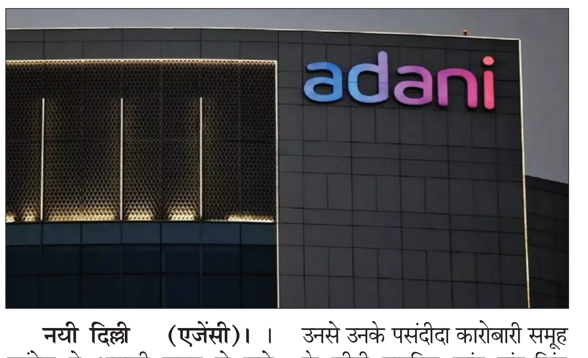

नयी दिल्ली (एजेंसी)। । कांग्रेस ने अडाणी समूह से जुड़े विवाद से नाम जुड़ने के बाद मॉरिस चांग नामक व्यक्ति के खुद को ताइवान का नागरिक बताए जाने की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को कहा कि सिर्फ यह मायने रखता है कि पूरे मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच हो क्योंकि सच सामने लाने का यही एकमात्र रास्ता है। अडाणी समूह के चीन के साथ कथित संबंधों के केंद्र में रहे मॉरिस चांग ने कहा है कि वह ताइवान के नागरिक हैं। उनकी नागरिकता को लेकर बीते दिनों विवाद देखने को मिला था। चांग पीएमसी प्रोजेक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। यह कंपनी अडाणी समूह के लिए बंदरगाह, टर्मिनल, रेल लाइन, बिजली पारेषण लाइन और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण करती है। उनके पासपोर्ट के कारण उन्हें चीनी नागरिक कहा जा रहा था और इस तरह अडाणी समूह को चीन से जोड़ा गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने उनसे उनके पसंदीदा कारोबारी समूह के चीनी नागरिक चांग चुंग-लिंग (उर्फ लिंगो-चांग) के साथ संबंधों को लेकर सवाल पूछा था। चांग के बेटे चांग चिएन-टिंग (उर्फ मॉरिस चांग) ने कहा है कि वह ताइवान का पासपोर्ट धारक है। हालांकि, पीएमसी ने अडाणी समूह के लिए किन प्रोजेक्ट्स पर काम किया है उससे जुड़े सवालों के जवाब देने से इंकार कर दिया है।''उन्होंने कहा, ''यह देखते हुए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अडाणी सवालों के जवाब देने में बिल्कुल भी इच्छुक नहीं हैं, अडाणी महाघोटाले के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच के लिए जेपीसी ही एकमात्र रास्ता है।'' अमेरिकी संस्था 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की कुछ सप्ताह पहले आई रिपोर्ट में अडाणी समूह पर अनियमितता के आरोप लगाए गए थे और इसके बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर लगातार हमले कर रही है। अडाणी समूह ने सभी आरोपों को निराधार बताया था।

बीजेपी को नहीं मिल रहा लोगों का समर्थन, अब दूसरी पार्टियों को तोड़ अपनी पार्टी बढ़ाने का उद्योग' शुरू: नाना पटोले

मुंबई (एजेंसी)। देश की जनता भारतीय जनता पार्टी की कट्टर और सांप्रदायिक राजनीति से तंग आ चुकी है। महंगाई, बेरोजगारी से आम जनता बेहाल है। वहीं राज्य का किसान बेमौसम बारिश से हुए नुकसान के बाद परेशान है। लेकिन बीजेपी सरकार इन सभी पर ध्यान नहीं दे रही है। भाजपा की शासन व्यवस्था से तंग आ चुके लोगों ने उन्हें विधान परिषद, विधानसभा उपचुनाव और स्थानीय स्वशासन के चुनावों में अपने मतों के जरिए उन्हें अपनी जगह दिखा दी है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि अब ऐसी विपरीत स्थिति में अब अपनी पार्टी के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए बीजेपी सरकार ईडी और सीबीआई के माध्यम से दमन और पार्टियों को तोड़ने की राजनीति कर पार्टी को बढ़ाने का व्यवसाय कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने भारतीय जनता पार्टी के बारे में बात करते हुए आगे कहा कि किसी की पार्टी को तोड़ने से अपनी पार्टी नहीं बढ़ती है। पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए संगठन को मजबूत करते हुए लोगों का समर्थन हासिल करना होता है। लेकिन बीजेपी का जनाधार लगातार घट रहा है। राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को किसी तरह का शिगूफा छोड़ने से पहले यह देखना चाहिए कि कर्नाटक में बीजेपी की क्या स्थिति है। फडणवीस जैसे नेता हर दिन शोर मचा रहे हैं कि दूसरी पार्टी के लोग हमारे संपर्क में हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। देश और महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी के लिए लोगों का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। भले ही बीजेपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को बदनाम करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन हमारे नेता को लोगों से भारी जनसमर्थन मिल रहा है। बीजेपी के जो नेता कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी खत्म हो गई है और दूरबीन से भी दिखाई नहीं देती है।ऐसे बीजेपी नेताओं को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। क्योंकि इन नेताओं को कांग्रेस और राहुल गांधी को गाली दिए बिना निंद नहीं आती है। आज राहुल गांधी देश के अकेले ऐसे नेता हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी को करारा जवाब दे रहे हैं। क्योंकि बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी, राहुल गांधी से डरते हैं। यही वजह है कि बीजेपी के दर्जनों मंत्री और संतरी हर दिन राहुल गांधी की आलोचना कर रहे हैं। नाना पटोले ने कहा कि राहुल गांधी के मुंबई, महाराष्ट्र दौरे की अभी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन वे जल्द ही महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को महाराष्ट्र आने से कोई नहीं रोक सकता। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की अपनी पार्टी में भी कोई कीमत नहीं,ऐसे में वे राहुल गांधी को क्या रोकेंगे? राहुल गांधी जब भी महाराष्ट्र आएंगे तो कांग्रेस के कार्यकर्ता उनका जोरदार स्वागत करेंगे। राहुल गांधी को महाराष्ट्र आने के लिए बीजेपी, बावनकुले या किसी और की अनुमति की जरूरत नहीं है। नाना पटोले ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, बाबा साहेब आंबेडकर और कर्मवीर भाऊराव पाटिल का अपमान करने वाले भाजपा नेताओं को देश और राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए और उसके बाद ही बोलना चाहिए। राज्य के महापुरुषों का अपमान करने वाले बीजेपी नेताओं को बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

कोरोना और इनफ्लूएंजा दोनों वायरस इनदिनों फैल रहे, डॉक्टरों ने कहा सतर्क रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना और इनफ्लूएंजा, दो अलग-अलग वायरस हैं। लेकिन इन दिनों दोनों वायरस फैले हुए हैं। एक मरीज कोरोना और इन्फ्लूएंजा, दोनों वायरस से संक्रमित पाया गया है। मरीज एक साथ डबल संक्रमण से पीड़ित है। जांच में मरीज में दोनों वायरस की पहचान हुई है। इसकारण डॉक्टरों का कहना है कि अभी किसी को बुखार, सर्दी, खांसी, जुकाम हो रहा हो तब वे एक साथ दोनों जांच कराएं। केवल कोविड या केवल इनफ्लूएंजा की जांच कराने पर दूसरे संक्रमण का पता नहीं चलेगा। ऐसी स्थिति में इलाज प्रभावित हो सकता है। कई बार इनफ्लूएंजा भी सीवियर निमोनिया का रुप ले लेता है, इतना ही नहीं बीमार व कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों के लिए कोरोना अभी भी खतरनाक है। इसलिए, दोनों संक्रमण की जांच जरूर कराएं।

आकाश अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि उनके यहां एक मरीज भर्ती है। उसकी रिपोर्ट चौंकाने वाली है। मरीज में कोरोना भी पाया गया है, वहीं मरीज को इनफ्लूएंजा का भी संक्रमण मिला है। यही नहीं, साथ में बैक्टीरियल इन्फेक्शन भी है। जबकि मरीज को पहले से सिर्फ मामूली डायबिटीज है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में इलाज प्रभावित हो सकता है, क्योंकि लक्षण आने पर अक्सर लोग एक जांच कराते हैं। कोई कोविड करा लेता है, तब कुछ लोग केवल इनफ्लूएंजा की जांच कराते हैं। अगर किसी एक वायरस की पुष्टि हो गई तो दूसरे की जांच नहीं कराते हैं।

4 फीसदी मुस्लिम कोटा खत्म करने पर कर्नाटक सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

बैंगलुरु (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को मुस्लिमों के लिए 4 फीसदी कोटा खत्म करने पर फटकार लगाई है। अल्पसंख्यकों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की श्रेणी में रखने के तरीके पर ऐतराज जताते हुए अदालत ने कहा कि निर्णय लेने की प्रक्रिया अस्थिर और त्रुटिपूर्ण है। कर्नाटक सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा कि सरकारी आदेश के आधार पर 18 अप्रैल तक कोई प्रवेश या नियुक्ति नहीं की जाएगी, जिसके तहत मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत कोटा समाप्त कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना ने कर्नाटक सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि हम सिर्फ यह कह रहे हैं कि प्रथम दृष्टया आपने जो आदेश पारित किया है, उससे पता चलता है कि आपकी निर्णय लेने की प्रक्रिया अस्थिर और त्रुटिपूर्ण है। हालांकि, इसने 4 प्रतिशत मुस्लिम कोटा को खत्म करने पर रोक नहीं लगाई, लेकिन कर्नाटक सरकार के खिलाफ कई कड़ी टिप्पणियां करने का मौका दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कोटा खत्म करने के खिलाफ याचिका पर सरकार से सोमवार तक जवाब मांगा है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने सरकार की ओर से वकालत कर रहे मेहता से पूछा कि कोटा को समाप्त करने की इतनी जल्दी क्या थी? क्योंकि निर्णय एक अंतरिम रिपोर्ट पर आधारित है। इसलिए कर्नाटक राज्य सरकार अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर सकती थी। कर्नाटक सरकार ने कहा कि मुसलमानों को 4 प्रतिशत कोटा समाप्त करने और वोक्कालिगा और लिंगायत को 2 प्रतिशत देने के उसके आदेश के आधार पर कुछ भी अपरिवर्तनीय नहीं किया जाएगा।

शीर्ष अदालत कोटा खत्म करने पर रोक लगाने के लिए इच्छुक दिखाई दी। इस मामले में अदालत ने कर्नाटक सरकार को सोमवार तक जवाब दाखिल करने की इजाजत देते हुए मंगलवार को सुनवाई स्थगित कर दी। कर्नाटक सरकार ने नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के लिए दो नई श्रेणियों की घोषणा की थी। इसके तहत मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत कोटा समाप्त कर इसे वोक्कालिगा और लिंगायत के बीच बांटा गया है। कोटा के लिए पात्र मुसलमानों को अब आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के तहत लाने का प्रावधान किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाई प्रोफाइल शराब पार्टी पर पुलिस की रेड, भाजपा नेता समेत 15 लोग धरे गए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वलसाड,गांधी के गुजरात में सरकार के शराबबंदी का सख्ती से अमल करने का दावा कर रही है, दूसरी ओर राज्य के विभिन्न जिलों में आए दिन शराब पकड़ी जा रही है। संघ प्रदेश दमन से सटे दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में पुलिस ने एक हाई प्रोफाइल शराब पार्टी पर रेड कर भाजपा नेता समेत 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल वलसाड पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के पोश इलाके की आदर्श सोसायटी में शराब पार्टी चल रही है। सूचना के आधार पर पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया। सोसायटी के 8 नंबर के मकान की छत पर शराब की पार्टी चल रही थी। पुलिस को शराब के नशे झूम रहे लोगों का नशा हवा हो गया। जन्म दिन के मौके पर शराब पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसमें वलसाड नगर पालिका के पूर्व सदस्य के पति समेत अन्य पदाधिकारी और कई रईश शामिल थे। पुलिस ने नगर पालिका के पूर्व सदस्य के पति और भाजपा शहर युवा मोर्चा के प्रमुख समेत अन्य पदाधिकारी और कई रईशजादों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटनास्थल से नकद, शराब की बोतलें, 20 से ज्यादा महंगे मोबाइल और 7 वाहन समेत कुल रु 25 लाख माल-सामान भी जब्त कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में दर्शन पटेल, तपन पटेल, दिनेश आहिर, मेहुल लाड, दर्शन ठाकोर, जिग्नेश भानुशाली, मिहिर पंचाल, आशीष केवट, राकेश ठाकरे, कृणाल मोरे, सौरभ देसाई, भार्गव देसाई, निकुल मिस्त्री, प्रियांशु देसाई और प्रेग्नेश पटेल शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डॉ. बाबासाहब भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती पर शुक्रवार को गुजरात विधानसभा पोडियम में उनके तैल चित्र के समक्ष भाव पुष्प अर्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इसके बाद मख्यमंत्री ने राजधानी गांधीनगर में 'च' मार्ग पर पर सेंट्रल विस्टा में स्थापित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर भाव पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया, विधायक शंभूप्रसाद टूंडिया व रमणलाल वोरा, विधानसभा में मुख्य उप सचेतक रमणसिंह सोलंकी, गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा, गांधीनगर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल सहित अग्रणियों ने डॉ. आंबेडकर के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर 'च' मार्ग पर स्थित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सस्ता सोना देने की लालच देकर हैदराबाद की महिला से ठगे दो करोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ,कच्छ के एक ठग गिरोह ने सस्ता सोना देने की लालच देकर हैदराबाद की एक महिला से दो करोड़ रुपए ठग लिए। इतना ही रुपए वापस लौटाने के एवज में रु 26 लाख और ऐंठ लिए। ठगी का शिकार महिला ने आखिरकार एफआईआर दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य 4 की तलाश तेज की है। पकड़े चार आरोपियों को कोर्ट ने 8 दिन के पुलिस रिमांड मंजूर किए हैं। जानकारी के मुताबिक हैदराबाद की मूल निवासी शैलजा वेंक्टेश यामुसा नामक महिला स्कूल चलाती है। शैलजा को सस्ता सोना देने की लालच देकर कच्छ के ठग गिरोह ने अलग अलग किश्तों में रु 2 करोड़ ऐंठ लिए। सोना तो दूर दिए गए रुपए भी महिला को नहीं मिले। जब उसने आरोपियों से रुपए लौटाने को कहा तो उसके लिए और रु 26 लाख ऐंठ लिए। उसके बाद भी रुपए नहीं मिलने पर शैलजा ने 8 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर एलसीबी ने कुख्यात ठग भुज के रहीमनगर में रहनेवाले हनीफ उर्फ मीठियो उर्फ मीठु नूरमामद सोढा और उसके दो बेटो जाकीर व अमीन समेत मांडवी के गाभा सूजा संघार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर 14 दिन के रिमांड की मांग की। भुज कोर्ट ने चारों आरोपियों को 8 दिन की पुलिस कस्टडी में मंजूरी की। पुलिस की जांच में पता चला कि हनीफ उर्फ मीठियों समेत उसके दोनों बेटों पर पहले भी ठगी के कई मामले दर्ज हो चुके हैं। जबकि गाभा संघर पर ठगी, चोरी और मारपीट समेत कई केस दर्ज हैं। ठग गिरोह में हनीफ समेत 8 लोग हैं, जिसमें 4 गिरफ्तार किए जा चुके हैं और 4 आरोपियों की तलाश की जा रही है।

विद्या के धाम में नशे का कारोबार, राजकोट की कॉलेज में होती थी गांजा की खेती

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट की मारवाडी कॉलेज से एक हैरान कर देनेवाली खबर सामने आई है। विद्या के धाम में नशे के कारोबार का खुलासा हुआ है। कॉलेज कैम्पस में गांजा की खेती की जाती थी। मीडिया के कैम्पस में पहुंचने के बाद गांजा के खेत में आग लगा दी गई। जिसके धुएं में गांजा की तीव्र गंध आ रही थी। राजकोट की मारवाडी कॉलेज में 10000 जितने विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। 2000 से ज्यादा विद्यार्थी यूनिवर्सिटी के होस्टेल में रहते हैं। उसी मारवाडी कॉलेज कैम्पस में नशे का कारोबार की भनक लगते ही मीडिया घटनास्थल पर पहुंच गई। मीडिया के पहुंचते ही गांजा के खेत में आ लगा दी गई। मीडिया की रिपोर्ट के बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। कैम्पस से गांजा के सूखे और हरे पौधे बरामद हुए हैं। सवाल यह है कि जब कॉलेज कैम्पस में तम्बाकू पर प्रतिबंध है तो गांजा के पौधे कहां से आए? कॉलेज के कैम्पस में ब्वॉयज होस्टेल के निकट से गांजा के हरे और सूखे पौधे बरामद हुए हैं। राजकोट क्राइम ब्रांच और शहर की कुवाडवा पुलिस ने जांच की और संदेह के आधार पर तीन जगहों से सैम्पल लिए हैं। बरामद पौधे अगर गांजा के होंगे तो पुलिस कानूनी कार्यवाही करेगी। दूसरी ओर कॉलेज में गांजा के पौध विदेशी विद्यार्थियों ने लगाए होने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है। घटना को लेकर कॉलेज के डीन आरपी जाडेजा ने कहा कि पुलिस की जांच में हमने पूरा सहयोग किया है। पुलिस ने पौधे के सैम्पल लिए हैं और जांच के बाद ही कोई कार्यवाही की जाएगी। पुलिस के सीसीटीवी फूटेज मांगने पर वह भी हम मुहैया कराएंगे।

बगैर सेफ्टी गटर साफ करने उतरे एक श्रमिक की मौत, फायर विभाग ने दो श्रमिकों को बचा लिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, शहर के अलथाण क्षेत्र में बगैर सेफ्टी के गटर साफ करने उतरे तीन में से एक श्रमिक की मौत हो गई। जबकि दो श्रमिकों को फायर विभाग की टीम ने बचा लिया। घटना सूरत के अलथाण भीराड रोड स्थित एक्सलस बिल्डिंग की है। बिल्डिंग के बेजमेंट के पार्किंग स्थित जीएमटी बेंक्वेट होल की गटर साफ करने के लिए श्रमिक बगैर किसी सुरक्षा साधनों के गटर में उतरे थे। गटर में उतरे श्रमिक के दिखाई नहीं देने पर स्थानीय लोगों ने फायर विभाग को घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची फायर विभाग के जवान ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ गटर में उतरे और काफी मशक्कत के बाद दो श्रमिकों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला और एम्ब्युलैंस 108 से अस्पताल भेज दिया। तीनों श्रमिकों को बगैर किसी सुरक्षा साधनों के सफाई के लिए गटार में उतारा गया था। घटना के बाद बेंक्वेट होल के संचालक फरार हो गए।

घर के बाथरूम में नहा रही युवती का वीडियो बनाया और फिर ब्लैकमेल कर युवक ने किया दुष्कर्म

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरूच, अंकलेश्वर में तीन महीने पहले अपने घर के बाथरूम में नहा रही युवती का एक युवक ने वीडियो बनाया और ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म किया।

मामला उस वक्त पुलिस थाने पहुंच गया जब पीड़ित युवती गर्भवती हो गई। पुलिस ने साइबर एक्ट और दुष्कर्म का केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है। भरूच जिले के अंकलेश्वर पुलिस थाने में पीड़िता द्वारा दर्ज शिकायत के मुताबिक गत दिसंबर महीने में वह अपने बाथरूम में नहा रही थी।

उस दौरान उसके घर आए प्रदीप वसावा नामक शख्स ने उसका नहाते समय का वीडियो बना लिया और बाद में इसे वायरल कर देने की धमकी दी। ब्लैकमेल कर प्रदीप वसावा उसके साथ तीन महीनों से दुष्कर्म करता रहा।

इस दौरान युवती गर्भवती हो गई। प्रदीप वसावा को जब इसका पता चला तो उसने गर्भ गिराने ने के लिए गोलियां दीं।

लेकिन पीड़िता ने अपने परिवार को बताया और पुलिस थाने पहुंच गई। युवती की शिकायत के आधार पर अंकलेश्वर पुलिस ने प्रदीप वसावा के खिलाफ साइबर एक्ट और दुष्कर्म का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की दिशा में कार्यवाही तेज की है।

पठानी वसूली से तंग आकर युवक का आत्महत्या का प्रयास, 3 लाख के बदले 7 लाख चुकाए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर के न्यू राणीप क्षेत्र में चूहे मारने की दवाई पीकर एक युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। हांलाकि युवक को समय रहते अस्पताल पहुंचा दिया गया और उसकी जान बच गई। युवक ने 4 प्रतिशत ब्याज पर 3 लाख लिए थे और उसके बदले 7 लाख रुपए चुका दिए। इसके बावजूद ब्याजखोर पठानी वसूली करता रहा। युवक की शिकायत के आधार पर सोला पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के न्यू राणीप क्षेत्र के मेलडीनगर निवासी हितेश राठौड़ फर्निचर का काम करते हैं। करीब पांच साल पहले हितेश के पिता और भाई की मौत हो गई और उसके बाद अपनी बेटी की शादी हुई। उस वक्त आर्थिक तंगी से परेशान हितेश राठौड़ ने कल्पेश मिस्त्री नामक शख्स से 4 प्रतिशत ब्याज के दर 3 लाख रुपए लिए थे। ब्याज पर रुपए लेने के लिए हितेश ने अपने मकान के कागजात कल्पेश मिस्त्री को सौंप दिए थे। हितेश राठौड़ ने ब्याज समेत कुल रु 7.20 लाख कल्पेश मिस्त्री को चुका दिए। कल्पेश मिस्त्री के अलावा प्रभात रबारी समेत अन्य ब्याजखोरों का भी बकाया हितेश राठौड़ समय पर चुका दिया। इसके बावजूद ब्याजखोरों की पठानी वसूली जारी रही।

ब्याजखोर आए दिन हितेश राठौड़ को धमकी देते कि रुपए के साथ ब्याज नहीं दिया तो बाहर निकलोगे तब देख लेंगे। कल्पेश मिस्त्री ने हितेश राठौड़ से कहा कि तुम्हारे मकान के कागजात मेरे पास हैं अगर रुपए नहीं लौटाए तो मकान खाली करवा लूंगा।

ब्याजखोरों की आए दिन की धमकियों से त्रस्त आकर हितेश राठौड़ शहर के चांदलोडिया क्षेत्र के हनुमान मंदिर पहुंच गए और वहां चूहे मारने की दवाई गटगटा ली। हांलाकि समय रहते हितेश राठौड़ को अस्पताल पहुंचाकर उन्हें बचा लिया गया।

हितेश राठौड़ की शिकायत के आधार पर सोला पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।

स्कूल के प्रिन्सिपल के खिलाफ नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म केस दर्ज, तत्काल गिरफ्तारी की मांग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जामनगर , शहर की एसकेएफटी स्कूल के प्रिन्सिपल के खिलाफ एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म की एफआई दर्ज की गई है। मनीष बूच नामक प्रिन्सिपल के खिलाफ पहले भी अन्य मामलों में शिकायत दर्ज है। घटना को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मनीष बूच को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक जामनगर के बी डिवीजन पुलिस थाने में शहर की एसकेएफटी स्कूल के प्रिन्सिपल के खिलाफ 15 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई गई है। लेकिन पुलिस की खामोशी के बाद एबीवीपी पीड़िता को न्याय दिलाने मैदान में उतर आया है। एबीवीपी ने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर पांच दिनों के भीतर उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की मांग की है। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक कचहरी में जाकर पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय दिलाने की मांग की। एबीवीपी के जामनगर के महामंत्री ने कहा कि लाखाबाल में प्राइवेट स्कूल में मनीष बूच ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। इससे पहले भी उसने कई गुनाह किए हैं। मनीष बूच पेपर लिक जैसे गंभीर मामले में भी संलिप्त है। ऐसे गुनहगार को जल्द गिरफ्तार कर उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की जरूरत है। अगर पांच दिनों के भीतर मनीष बूच के खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो एबीवीबी उग्र विरोध करेगा।

गन पोइंट पर ज्वैलर्स को लूटने का प्रयास, व्यापारी के चिल्लाने पर नकाबपोश भाग निकले

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर के सीटीएम क्षेत्र में तमंचे की नोंक पर एक ज्वैलर्स और उसके ग्राहकों को लूटने का प्रयास किया। लेकिन सोने-चांदी के आभूषण नहीं मिलने पर एक लाख रुपए नकद मांगे। हांलाकि व्यापारी के चीखने-चिल्लाने पर आसपास के लोग जमा होने से नकाबपोश मौक से फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के सीटीएम क्षेत्र के मारुति एस्टेट स्थित महालक्ष्मी ज्वैलर्स नामक दुकान में लूट के इरादे से तीन नकाबपोश शख्स घुसे थे। दुकान में बैठे व्यापारी और ग्राहकों को डराकर लूट का प्रयास किया। हांलाकि दुकान में सोने-चांदी के आभूषण हाथ ना लगने पर नकाबपोशों ने व्यापारी से एक लाख रुपए नकद मांगे। व्यापारी ने एक लाख रुपए देने के बजाए चीखना-चिल्लाने शुरू कर दिया। व्यापारी की आवाज सुनकर आसपास के लोग उसके दुकान पर जमा होने लगे।

पकड़े जाने के डर से तीनों नकाबपोशों ने भागना ही बेहतर समझा। स्थानीय लोग उन्हें पकड़ते इससे पहले तीनों नकाबपोश मौके सेभाग निकले। व्यापारी की शिकायत पर रामोल पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर तीनों नकाबपोशों की तलाश शुरू की है।